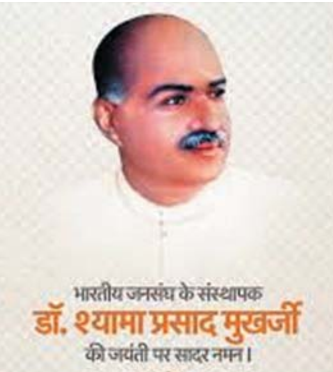

दैनिक
सांध्य प्रकाश
भोपाल की धड़कन

वर्ष 54/ अंक 321/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10
संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल
■आर.एन.आई 22296/71 ■डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14
भोपाल, रविवार 06 जुलाई 2025 भोपाल से प्रकाशित
dainiksandhyaprakash.in

पीएम मोदी ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के लिए ब्राजील पहुंचे

पीएम मोदी का ऑपरेशन सिंदूर थीम पर वेलकम

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए ब्राजील पहुंच चुके हैं. यहां एयरपोर्ट पर उनका राष्ट्रीय सम्मान के साथ स्वागत किया गया. पीएम मोदी ने एक्स पर पोस्ट शेयर कर कहा, 'मैं रियो डी जेनेरो, ब्राज़ील पहुंचा हूं, जहां मैं ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लूंगा और उसके बाद ब्राज़ील की राजधानी ब्रासीलिया जाऊंगा, जहां मुझे राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला डी सिल्वा के निमंत्रण पर राजकीय दौरे पर जाना है. इस यात्रा के दौरान उपयोगी बैठकों और संवादों की एक प्रभावशाली श्रृंखला की प्रतीक्षा है.'

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का ब्राजील के रियो डी जेनेरियो पहुंचने पर गर्मजोशी से स्वागत किया गया, जहां भारतीय प्रवासियों ने उनका स्वागत पेंटिंग और ऑपरेशन सिंदूर से प्रेरित एक जोशीले नृत्य प्रदर्शन के साथ किया. ऑपरेशन सिंदूर पाकिस्तान स्थित आतंकवादियों के खिलाफ भारत का आतंकवाद विरोधी अभियान है.

इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अर्जेंटीना गए थे, जहां उनका भव्य स्वागत किया गया. पिछले 57 सालों में यह पहली बार है कि अर्जेंटीना की द्विपक्षीय यात्रा पर भारतीय प्रधानमंत्री पहुंचे. इससे पहले साल 2018 में पीएम मोदी अर्जेंटीना गए थे, लेकिन उस यात्रा का मकसद त20 शिखर सम्मेलन में शामिल होना था. इस बार उनकी पहली आधिकारिक द्विपक्षीय यात्रा थी। प्रधानमंत्री मोदी अर्जेंटीना की दो दिवसीय यात्रा के तहत राजधानी ब्यूनस आयर्स पहुंचे, जहां एजीजा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया. वे अर्जेंटीना के राष्ट्रपति जेवियर माइली से भेंट करने के लिए राष्ट्रपति भवन पहुंचे, जहां दोनों के बीच द्विपक्षीय वार्ता हुई. अर्जेंटीना के राष्ट्रपति भवन में प्रधानमंत्री मोदी का पारंपरिक सम्मान के साथ स्वागत किया गया, जहां उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर भी दिया गया. इस मौके पर दोनों नेताओं ने गर्मजोशी से एक-दूसरे का अभिवादन किया और गले मिले. फिर प्रतिनिधिमंडल स्तरीय वार्ता के लिए राष्ट्रपति भवन में चले गए।

'सम्मानित महसूस कर रहा हूं

इससे पहले पीएम मोदी ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा कि ब्यूनस आयर्स में द्विपक्षीय यात्रा को साकार करने के लिए अर्जेंटीना के साथ संबंध स्थापित करना. मैं प्रेसिडेंट जेवियर माइली के साथ फिर से मिलने और उनसे विस्तार से बात करने के लिए उत्साहित हूं. उन्होंने एक अन्य पोस्ट में लिखा, 'ब्यूनस आयर्स में भारतीय समुदाय द्वारा किए गए शानदार स्वागत से सम्मानित महसूस कर रहा हूं. यह देखना वाकई बहुत अच्छा है कि कैसे घर से हजारों किलोमीटर दूर भारत की भावना हमारे भारतीय समुदाय के माध्यम से चमकती है.'

इन देशों में मिला सर्वोच्च सम्मान

इससे पहले पीएम मोदी ने घाना और त्रिनिदाद एंड टोबैगो की यात्रा की, जहां उन्हें सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार से सम्मानित किया गया था. पहले घाना के राष्ट्रपति जॉन ड्रामानी महामा ने पीएम मोदी को सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'ऑफिसर ऑफ द ऑर्डर ऑफ द स्टार ऑफ घाना' से सम्मानित किया. इसके बाद त्रिनिदाद और टोबैगो की राष्ट्रपति क्रिस्टीन कंगालू ने उन्हें देश के सर्वोच्च सम्मान 'द ऑर्डर ऑफ द रिपब्लिक ऑफ त्रिनिदाद और टोबैगो' से नवाजा।

सांध्यप्रकाश विशेष

महाकाल की सवारी की नई थीम, श्रावण में रोज दो घंटे शिव स्तुति से गूंजेगा उज्जैन

उज्जैन। इस बार श्रावण माह एक खास तरीके से मनाया जाएगा। इसमें श्रद्धा और संस्कृति का अद्भुत संगम होगा। 11 जुलाई से शुरू होने वाले इस माह में महाकाल लोक में पहली बार हर शाम शिव स्तुति की गूंज सुनाई देगी। रोज शाम 6 बजे से 8 बजे तक अलग-अलग कलाकार भगवान शिव की आराधना में प्रस्तुति देंगे। इस बार खास बात यह है कि उन सभी कलाकारों को भी मंच मिलेगा जो श्रावण महोत्सव की मुख्य सूची में अपनी जगह नहीं बना पाए थे। महाकाल सवारी अलग-अलग थीम पर निकलेगी, हाथियों से सुरक्षा के लिये वन विभाग की टीम साथ चलेगी।

गेट नंबर 4 को सोमवार को बंद कर देंगे- बता दें कि, श्रावण-भादौ के समय महाकालेश्वर के दर्शन के लिए गेट नंबर 4 को सोमवार को दोपहर 12 बजे से बंद कर दिया जाएगा। इस दिन शीघ्र दर्शन की टिकट लेने वाले श्रद्धालुओं को गेट नंबर 1 से प्रवेश दिया जाएगा।

विशेष आयोजन का उद्देश्य - इस विशेष आयोजन का उद्देश्य महाकाल लोक में श्रद्धालुओं को एक नए अनुभव से अवगत कराना है। हर सवारी की अनन्य थीम और शिव स्तुति की प्रस्तुति से श्रद्धालुओं को न केवल धार्मिक आनंद मिलेगा, बल्कि संस्कृति और पारंपरिक कला की भी झलक मिलेगी। यह आयोजन उज्जैन के पर्यटन और सांस्कृतिक धरोहर को भी बढ़ावा देगा।

महाकाल की अलग-अलग थीम- इस बार श्रावण माह में महाकाल की हर सवारी की एक अलग थीम होगी। सवारी की शुरुआत 14 जुलाई से होगी और हर सवारी में एक अलग सांस्कृतिक या धार्मिक तत्व होगा।

गडकरी ने अमीर-गरीब की बढ़ती खाई पर जताई चिंता, रोजगार व ग्रामीण विकास पर दिया जोर

नई दिल्ली। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने देश में अमीर-गरीब की बढ़ती खाई और आर्थिक असमानता पर चिंता जताई है। गडकरी ने कहा, धीरे-धीरे गरीब लोगों की संख्या बढ़ रही है और धन कुछ अमीर लोगों के हाथों में केंद्रित होता जा रहा है। ऐसा नहीं होना चाहिए। अर्थव्यवस्था को इस तरह से विकसित होना चाहिए कि रोजगार पैदा हो और ग्रामीण क्षेत्रों का उत्थान हो। गडकरी ने स्पष्ट किया कि देश की आर्थिक नीति ऐसी होनी चाहिए जिसमें समाज के सभी वर्गों को आगे बढ़ने का मौका मिले। उन्होंने कहा कि पूंजी का संकेंद्रण सामाजिक असंतुलन को जन्म देता है, जिससे गरीबी और बेरोजगारी बढ़ती है। जब तक ग्रामीण क्षेत्रों में उद्योग, शिक्षा और बुनियादी सुविधाएं नहीं पहुंचेंगी, तब तक देश की प्रगति अधूरी रहेगी। उन्होंने युवाओं के लिए स्वरोजगार, किसानों की आय वृद्धि और गांव-गांव में विकास की जरूरत पर जोर दिया। गडकरी ने कहा, हमें ऐसी आर्थिक संरचना बनानी है, जिसमें समाज के अंतिम व्यक्ति तक समृद्धि पहुंचे और हर नागरिक को सम्मानजनक जीवन मिले। उनका बयान सरकार और नीति निर्माताओं के लिए संदेश है कि विकास का लाभ समाज के हर वर्ग तक पहुँचना चाहिए। नितिन गडकरी का यह बयान देश में समावेशी और संतुलित विकास की जरूरत को रेखांकित करता है।

भारत ने बनाई नई हाइपरसोनिक क्रूज मिसाइल, प्रोजेक्ट विष्णु की सफलता

नई दिल्ली। भारत अब एक और बड़ी छलांग लगाने जा रहा है। देश की सबसे घातक और तेज रफ्तार मिसाइल का परीक्षण जल्द ही किया जाएगा। इस मिसाइल का नाम है ईटी-एलडीएचसीएम (एक्सटेंडेड ट्रैजेक्टरी लॉन्ग ड्यूरेशन हाइपरसोनिक क्रूज मिसाइल)। इसे डीआरडीओ ने अपने गुप्त मिशन 'प्रोजेक्ट विष्णु' के तहत तैयार किया है। इसकी ताकत इतनी जबरदस्त है कि यह ब्रह्मोस मिसाइल से तीन गुना तेज और तीन गुना ज्यादा दूरी तक मार करने में सक्षम है। ब्रह्मोस की अधिकतम रफ्तार जहां मैक-3 (3700 किमी प्रति घंटा) है, वहीं ईटी-एलडीएचसीएम की रफ्तार मैक-8 यानी लगभग 11,000 किमी प्रति घंटा तक है। यह मिसाइल 1500 किलोमीटर दूर स्थित लक्ष्य को कुछ ही मिनटों में तबाह कर सकती है। इससे भारत उन चुनिंदा देशों में शामिल हो जाएगा, जिनके पास हाइपरसोनिक मिसाइल तकनीक है। अब तक अमेरिका, रूस और चीन ही इस लिस्ट में थे। ईटी-एलडीएचसीएम हवा में सांस लेने वाली स्क्रैमजेट इंजन तकनीक से चलती है। यानी इसे उड़ने के लिए भारी ऑक्सीजन टैंक की जरूरत नहीं होती।

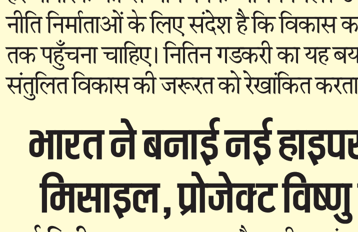

डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी जयंती पर नेताओं ने किया नमन

एक अद्वितीय व्यक्तित्व था श्यामा प्रसाद मुखर्जी: सीएम

भोपाल। सीएम डॉ मोहन यादव ने कहा- एक अद्वितीय व्यक्तित्व था श्यामा प्रसाद मुखर्जी का। अपने मन के संकल्प से कार्य किये, विदेश से सारी डिग्री ली। कांग्रेस से इस्तीफा देकर निर्दलीय चुनाव लड़े। सबको एक साथ लेकर चले। जब विभाजन की बात हुई तो मंत्रिमंडल से अलग होकर जनता पार्टी के साथ जनसंघ बनाया। डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी जयंती डॉ मोहन बोले- देश का विभाजन और कश्मीर को अंधकार में डालने का पाप कांग्रेस ने किया।

ये पाप कांग्रेस ने किया- उन्होंने अपने कार्यो से लोकतंत्र का परिचय दिया है- एक विधान एक प्रधान रहेगा कहा। जम्मू कश्मीर में जाने के लिए जो पासपोर्ट लगता उसके लिए विरोध कर उसे बंद कराया। डॉ मोहन ने कहा दो गलती कांग्रेस ने की, एक तो देश का विभाजन और दूसरा कश्मीर को अंधकार में डाला, ये पाप कांग्रेस ने किया। सीएम मोहन यादव ने श्यामा प्रसाद मुखर्जी अमर रहे के नारे भी लगाए।

भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पर राजधानी भोपाल में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए। जयंती के मौके पर खंडेलवाल ने पौधारोपण भी किया। कार्यक्रम में सीएम डॉ मोहन यादव, पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, पूर्व केन्द्रीय मंत्री सुरेश पचौरी, सांसद आलोक शर्मा, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष खजुराहो संसद वीडी शर्मा, महापौर मालती राय , भगवानदास सबनानी, रामेश्वर शर्मा एवं कई नेता शामिल हुए । सभी अतिथियों ने उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित की।

मूर्ति का अनावरण

आज करेली में शिवाजी नगर में अमृत पार्क में मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल पूर्व मंत्री जालम सिंह पटेल ने डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की मूर्ति का अनावरण कर पार्क का शुभारंभ किया इसके साथ ही सीताराम माल में युवाओं से संवाद किया इमलिया ग्राम में विभिन्न लोकार्पण भूमिपूजन किया।

मुख्यमंत्री ने आज समत्व में वनाधिकार एवं पेसा अधिनियम के अंतर्गत गठित टास्क फोर्स तथा प्रस्तावित वन विज्ञान केंद्र के संबंध में बैठक की।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने मेधावी छात्र-छात्राओं को 25 हजार रूपये की राशि का प्रतीकात्मक चेक प्रदान किया।

नर्मदा घाटों पर उमड़ा आस्था का सैलाब, 25,000 महिलाओं ने किया स्नान

ओंकारेश्वर। भारी बारिश के बाद भी बड़ी संख्या ओंकारेश्वर धाम में आस्था और श्रद्धा की गूंज सुनाई देने लगी है. 6 जुलाई, रविवार को देवशयनी एकादशी के पावन अवसर पर लगभग 25 हजार महिलाओं ने मां नर्मदा के पवित्र जल में स्नान कर चातुर्मास का आरंभ किया. यह अवसर न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक रहा, बल्कि क्षेत्रीय लोक परंपराओं और सनातन संस्कृति की गहराई को भी उजागर करता है.

देवशयनी एकादशी का महत्व- हिंदू धर्मशास्त्रों के अनुसार, देवशयनी एकादशी के दिन से भगवान श्रीहरि विष्णु योगनिद्रा में प्रवेश करते हैं और चार मास तक क्षीर सागर में विश्राम करते हैं. यही अवधि चातुर्मास कहलाती है, जिसमें व्रत, तप, स्नान और संयम का विशेष महत्व होता है. प्रतिवर्ष इस अवसर पर महिलाएं विशेष रूप से पुण्य की प्राप्ति, परिवार की समृद्धि और अच्छी वर्षा की कामना करती हैं.

नर्मदा घाटों पर उमड़ा आस्था का सैलाब- खंडवा, खरगोन, बुरहानपुर, सनावद, बड़वाह सहित निमाड़-मालवा अंचल से हजारों महिलाएं शनिवार की रात्रि से ही ओंकारेश्वर और खेड़ीघाट (मोरटक्का) पहुंचने लगीं. धर्मशालाएं, रेलवे स्टेशन परिसर और नर्मदा तट धार्मिक जागरण और भक्ति गीतों से गुंजायमान हो उठे. रात्रि जागरण के बाद महिलाएं में नर्मदा में पावन स्नान के लिए उमड़ीं.

पूजन, दर्शन और परिक्रमा- नर्मदा स्नान के बाद श्रद्धालुओं ने जबरेश्वर मंदिर और राधा-कृष्ण मंदिर में नारियल फोड़कर पूजन-अर्चन किया. तिलक लगाने के बाद महिलाएं ओंकारेश्वर पहुंचीं. जहां उन्होंने ओंकार पर्वत की परिक्रमा कर भगवान ओंकारेश्वर-ममलेश्वर ज्योतिर्लिंग

लोक परंपरा और सांस्कृतिक भावनाएं

चातुर्मास की शुरुआत के साथ ही ग्रामीण अंचलों में पर्व विशेष का उत्साह दिखता है. महिलाएं पारंपरिक परिधानों में सिर पर कलश और हाथों में पूजा की थाल लिए, सामूहिक भजन-कीर्तन करती हुई घाटों की ओर अग्रसर होती हैं. यह दृश्य मानो धर्म, संस्कृति और सामूहिक चेतना की एक अनुपम मिसाल बन जाता है। देवशयनी एकादशी पर नर्मदा स्नान और ओंकार पर्वत की परिक्रमा के साथ महिलाओं द्वारा चातुर्मास का शुभारंभ आस्था और भक्ति का जीवंत उदाहरण है. यह केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि सनातन संस्कृति की निरंतरता का प्रतीक है. नर्मदा तट पर उमड़ी यह श्रद्धा भावी पीढ़ियों के लिए भी प्रेरणा बनेगी।

गोविंदपुरा क्षेत्र में अवैध कॉलोनियों पर बड़ी कार्रवाई

साढ़े 12 करोड़ की शासकीय भूमि से हटाया अतिक्रमण

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

गोविंदपुरा क्षेत्र में प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए लगभग 12.50 करोड़ मूल्य की शासकीय और निजी भूमि से अवैध अतिक्रमण हटाया है। बिना अनुमति के विकसित की जा रही दो कॉलोनियों 'श्री श्याम सिटी' और 'मुस्कान सिटी' को ध्वस्त किया गया। यह कार्रवाई गोविंदपुरा एसडीएम रजनीश श्रीवास्तव के निर्देशन में की गई। गोविंदपुरा क्षेत्र अंतर्गत प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए करीब 12.50 करोड़ मूल्य की शासकीय और अवैध रूप से विकसित निजी भूमि से अतिक्रमण हटाया है। यह कार्रवाई ग्राम खेजड़ा बरामद नजूल व्रत गोविंदपुरा स्थित अलग-अलग भूमि खसरों पर की गई, जहां बिना अनुमति के कॉलोनियां विकसित की जा रही थीं। ग्राम खेजड़ा बरामद स्थित खसरा नंबर 100 (नोइयत खलियान), रकबा 3.46 एकड़ की शासकीय भूमि में से 0.40 एकड़ हिस्से पर पक्की सड़क और बाउंड्रीवाल बना कर अतिक्रमण किया गया था। इस भूमि का शासकीय मूल्य लगभग 2 करोड़ आंका गया है। प्रशासन ने मौके पर पहुंचकर सड़क और बाउंड्रीवॉल को हटाकर शासकीय भूमि को मुक्त कराया। इसी शासकीय भूमि से लगी 2.81 एकड़ निजी भूमि पर बिना किसी सक्षम अनुमति के राहुल पाल और रोहित मीणा द्वारा श्री श्याम सिटी के नाम से अवैध कॉलोनी काटी जा रही थी। छोटे-छोटे प्लॉट काटकर कॉलोनी विकसित की जा रही थी, जिसका बाजार मूल्य 10.50 करोड़ बताया गया है। प्रशासन ने बनाई गई सड़क और बाउंड्रीवॉल को तोड़कर कॉलोनी को ध्वस्त कर दिया।

मुस्कान सिटी के नाम पर अवैध कॉलोनी

इसके अतिरिक्त, खसरा क्रमांक 279/3/1, रकबा 1 एकड़ निजी भूमि पर सचिन ठाकुर द्वारा बिना अनुमति के मुस्कान सिटी% के नाम से अवैध कॉलोनी विकसित की जा रही थी। इस कॉलोनी का बाजार मूल्य 2.56 करोड़ है। यहां भी रोड और प्लॉट मार्किंग को हटाकर कॉलोनी को नष्ट किया गया। पूरी कार्रवाई गोविंदपुरा एसडीएम रजनीश श्रीवास्तव के निर्देशन में की गई। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि बिना सक्षम अनुमति के किसी भी कॉलोनी को विकसित नहीं होने दिया जाएगा। अतिक्रमण और अवैध प्लॉटिंग के खिलाफ आगे भी सख्त अभियान जारी रहेगा। जिला प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे किसी भी अवैध कॉलोनी में प्लॉट खरीदने से पहले संबंधित नगर निगम या टीएनसीपी से वैधता की जांच अवश्य करें। किसी भी अवैध निर्माण या कॉलोनी की जानकारी होने पर प्रशासन को सूचित करें।

पौधरोपण के लिए वैज्ञानिक और टिकाऊ तकनीकों के उपयोग के लिए प्रशिक्षण

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शुरू की गई ÷एक बगिया मां के नाम परियोजना÷, ÷गंगोत्री हरित योजना÷ और ÷नर्मदा परिक्रमा पथ÷ जैसी योजनाओं को सफलतापूर्वक क्रियान्वित करने की दिशा में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग ने व्यापक तैयारियां शुरू कर दी हैं। इन योजनाओं के तहत मनरेगा के माध्यम से प्रदेश में बड़े पैमाने पर प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। इन कार्यक्रमों के अंतर्गत प्रदेश के 2101 इंजीनियर और 626 कृषि सखी को तकनीकी रूप से प्रशिक्षित किया जा रहा है। यह प्रशिक्षण मध्यप्रदेश जल-भूमि प्रबंध संस्थान, भोपाल और क्षेत्रीय ग्रामीण विकास-पंचायतराज प्रशिक्षण केंद्रों में संचालित किया जा रहा है। प्रशिक्षण का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि पौधरोपण कार्य वैज्ञानिक और टिकाऊ तरीके से किया जाए।

पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री प्रहलाद पटेल ने निर्देश दिए हैं कि नदियों के उद्गम स्थलों पर पौधरोपण को प्राथमिकता दी जाए। साथ ही मां नर्मदा परिक्रमा पथ पर आश्रय स्थलों में पौधरोपण कर तीर्थ यात्रियों को बेहतर सुविधाएं दी जाएं। उन्होंने ÷एक बगिया मां के नाम परियोजना÷ को महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण का एक सशक्त माध्यम बताया। मनरेगा के अंतर्गत प्रशिक्षण पाने वाले अधिकारियों में 36 कार्यपालन यंत्री आरईएस, 215 सहायक यंत्री, 47 डीपीएम एसआरएलएम और 1803 उप यंत्री शामिल हैं। इन्हें पौधरोपण की तकनीकी बारीकियों से अवगत कराया जा रहा है, जिससे वे इस कार्य को सफलतापूर्वक संपन्न कर सकें। प्रदेश में पहली बार पौधरोपण कार्य में अत्याधुनिक तकनीक सिपरी सॉफ्टवेयर का उपयोग किया जा रहा है। इस सॉफ्टवेयर की मदद से संबंधित जिलों की जलवायु, मिट्टी की गुणवत्ता, एग्रो क्लाइमेट ज़ोन, स्थल चयन और पानी की उपलब्धता जैसी जानकारियां जुटाकर पौधों की उपयुक्त प्रजातियों का चयन किया जाएगा। जहां सॉफ्टवेयर उपयुक्तता नहीं दिखाता, वहां पौधरोपण नहीं किया जाएगा, जिससे संसाधनों का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित हो सके।

एक बगिया मां के नाम अभियान के तहत स्व-सहायता समूह की महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए उनकी निजी भूमि पर फलदार पौधे लगाए जाएंगे। इसके लिए 626 कृषि सखी को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। ये कृषि सखी बाद में अन्य स्व-सहायता समूहों की महिलाओं को पौधारोपण की तकनीक, पौधों के चयन और देखरेख के बारे में प्रशिक्षण देंगी और उन्हें आवश्यक सहयोग प्रदान करेंगी। इस व्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से प्रदेश में न केवल पर्यावरण-संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि ग्रामीण महिलाओं को भी आत्मनिर्भर बनने का अवसर प्राप्त होगा।

सिंधी सेन्ट्रल पंचायत की बैठक में तैयारियों पर चर्चा, कन्हैयालाल ईसरानी बने टूर के संयोजक

संत हिरदाराम नगर। संत हिरदाराम नगर की सामाजिक संस्था सिंधी सेन्ट्रल पंचायत को राष्ट्रीय की संस्था बनाने एवं इसके विदेशी धरती सिंगापुर में होने वाले पहले सम्मेलन को लेकर बनाए गए मलेशिया-सिंगापुर टूर का संयोजक कपड़ा व्यापारियों की प्रमुख संस्था थोक वस्त्र व्यवसाय संघ के अध्यक्ष कन्हैयालाल ईसरानी को बनाया गया है। इसके लिए अध्यक्ष चन्द्रप्रकाश ईसरानी के प्रतिष्ठान पर आयोजित बैठक जिसमें महासचिव सुरेश जसवानी, संरक्षक वासुदेव वाधवानी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष नरेश चोटरानी, दिनेश वाधवानी, नरेंद्र लालवानी के अलावा राहुल मिश्रा मुख्य रूप से उपस्थित थे। बैठक में एक सितम्बर से प्रारंभ होने वाली 7 दिवसीय यात्रा पर विस्तार से चर्चा की गई। इसमें बताया गया कि एक सितम्बर को दिल्ली एवं मुम्बई दो जगहों से फ्लाइट में लगभग 120 प्रतिनिधि सवार होंगे, और 2 सितम्बर को मलेशिया पहुंचेगी। वहां दो दिन घूमने का आनंद लिया जाएगा, जबकि 4 सितम्बर को सिंगापुर पहुंचेगे। इसके बाद 5 सितम्बर को आधे दिन का सम्मेलन रखा गया है। इस सम्मेलन में भारत में सिंधी लिपि, साहित्य, संस्कृति व सभ्यता के समुचित उत्थान, सिंधी समाज के भीतर पनप रही सामाजिक बुराईयों पर प्रभावी रोक पर चर्चा की जाएगी। साथ ही सिंधी सेन्ट्रल पंचायत को राष्ट्रीय स्तर की संस्था घोषित किया जाएगा। बाद में इसका पंजीयन दिल्ली में करवाया जाएगा।

मूक बधिर छात्र-छात्राओं हेतु निःशुल्क सितारे जमीन पर फिल्म का विशेष शो

संत हिरदाराम नगर। नवजीवन सेवा समिति और इनरव्हील क्लब ऑफ भोपाल मिलेनियम ने शा. स्पर्श भवन के 55 दिव्यांग बच्चों के लिए ज्योति सिनेप्लेक्स में निःशुल्क स्पेशल शो सितारे जमीन पर दिखाया गया। फिल्म के बाद अध्यक्ष सत्येंद्र अग्रवाल ने छात्र-छात्राओं को प्रेरक संस्मरण सुनाए। समिति प्रवक्ता भगवान दास ढालिया ने बताया कि इस अवसर पर छात्र-छात्राओं को स्वल्पाहार की व्यवस्था भी माता महालक्ष्मी अन्न क्षेत्र द्वारा की गई बच्चों ने फिल्म देख बहुत आनन्द लिया एवं फिल्म में दिव्यांग बच्चों के प्रस्तुतीकरण पर खुशी जाहिर की। उन्होंने अपने जीवन में आने वाली कठिनाइयों से न घबराने का संकल्प लिया। इस अवसर पर तरंग अग्रवाल, विनीता दिवाकर, मीरा काँटेवाला, मनोज एवं गौरव ओर स्पर्श विद्यालय के शिक्षक एवं सहयोगी भी उपस्थित थे।

सेवा सदन अस्पताल को स्व. ईश्वरदास राजानी के नेत्रों का दान किया

संत हिरदाराम नगर। भोपाल निवासी ईश्वरदास राजानी का देहावसान शुक्रवार 4 जुलाई को हो गया। दिवंगत के पुत्र कुशल राजानी ने अपने पिता की आंखें सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय को दान में दे दी हैं। उनके नेत्र, अब दो जरूरतमंद दृष्टिबाधित व्यक्तियों को प्रत्यारोपित किए जाएंगे। सेवा सदन अस्पताल ने अभी तक 2,240 दृष्टिबाधित लोगों को निःशुल्क नेत्र प्रत्यारोपित कर नेत्र ज्योति प्रदान की है। प्रबंधन ट्रस्टी ए.सी. साधवानी ने दिवंगत की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना तथा परिवार जन के प्रति स्वजन के नेत्रों का दान करवाने पर कृतज्ञता प्रकट की है।

महिंद्रा की बीई 6 और एक्सईवी 9ई की पैक टू डिलीवरी जुलाई के अंत से शुरू होगी

मुंबई । महिंद्रा की इलेक्ट्रिक एसयूवी (स्पोर्ट्स यूटिलिटी व्हीकल) इलेक्ट्रिक ओरिजिन ने भारत के ईवी (इलेक्ट्रिक व्हीकल) बाज़ार में वैल्यू के हिसाब से सबसे आगे जगह बना ली है। ग्राहकों के जबरदस्त भरोसे और उत्साह के कारण, देश भर में हर 10 मिनट में एक महिंद्रा इलेक्ट्रिक एसयूवी बिक रही है। इस शानदार रफ्तार को जारी रखते हुए, महिंद्रा अपनी दमदार बीई 6 और एक्सईवी 9ई इलेक्ट्रिक एसयूवी के पैक टू मॉडल की डिलीवरी जुलाई के अंत से शुरू कर रही है। इनकी आकर्षक शुरुआती कीमत ?21.90 लाख है। ग्राहकों की ज़बरदस्त प्रतिक्रिया को देखते हुए, पैक टू में अब 59 केडब्लूएच बैटरी विकल्प के साथ एक नया 79 केडब्लूएच बैटरी विकल्प भी मिलेगा। इससे ये गाड़ियां शहर में असल में क्रमश~500 किलोमीटर और 400 किलोमीटर तक चल पाएंगी।

सर्वेक्षण सर्वे में पहला स्थाना मिलने पर एसोसिएशन ने विमानपत्तन निदेशक का स्वागत किया

संत हिरदाराम नगर। राजाभोज एयरपोर्ट ने ग्राहक संतुष्टि सर्वेक्षण के पहले राउंड में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया है। इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण, भोपाल एयरपोर्ट की एससी, एसटी वेलफेयर एसोसिएशन ने विमानपत्तन निदेशक रामजी अवस्थी को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी है। एसोसिएशन के अध्यक्ष सुरेंद्र सूत्रकार और महासचिव शालिनी भाईशारे ने संयुक्त रूप से कहा कि यह उपलब्धि राजा भोज एयरपोर्ट के समस्त कर्मचारियों, प्रबंधन और विमानपत्तन निदेशक के कुशल नेतृत्व का परिणाम है।

प्रथम स्थान प्राप्त करना न केवल हम सभी के लिए गर्व का विषय है, बल्कि यह स्वच्छ भारत मिशन के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को भी दर्शाता है। विमानपत्तन निदेशक रामजी अवस्थी ने इस अवसर पर सभी कर्मचारियों और एसोसिएशन के सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह उपलब्धि सामूहिक प्रयासों और समर्पण का परिणाम है। उन्होंने भविष्य में भी स्वच्छता और उत्कृष्टता के मानकों को बनाए रखने का संकल्प दोहराया। इस अवसर पर एसोसिएशन की अल्पना भी उपस्थित थी।

पुलिस अफसर बताकर किया डिजिटल अरेस्ट, खाताधारक पीथमपुर से धराया

महिला से ऐंठे थे पांच लाख रुपए

भोपाल। भोपाल साइबर क्राइम ब्रांच ने खुद को पुलिस अधिकारी बताकर महिला को वीडियो कॉल से 12 घंटे तक डिजिटल अरेस्ट कर 5 लाख की ठगी करने वाले आरोपी रवींद्र सिंह को पीथमपुर से गिरफ्तार किया। आरोपी के खाते में ठगी की राशि आने पर पुलिस को सुराग मिला। सायबर क्राइम ब्रांच ने खुद को पुलिस अधिकारी बताकर डिजिटल अरेस्ट करने के बाद महिला को पांच लाख रुपये का चूना लगाने वाले गिरोह के एक सदस्य को पीथमपुर से गिरफ्तारी किया है। बैंक खातों की जानकारी लेते-लेते पुलिस इस आरोपी तक पहुंची थी। आरोपी के खाते में ठगी के कुछ पैसे आए थे। सायबर क्राइम ब्रांच पुलिस ने बताया कि सत्यम शिवम परिसर कोलार में रहने वाली अनु वर्मा ने शिकायत करते हुए बताया था कि उनके मोबाइल फोन पर एक अज्ञात व्यक्ति का फोन आया था। उसने पहला फोन वाट्सएप कॉल के जरिए किया। इस बातचीत में खुद को पुलिस अधिकारी बताते हुए वीडियो कॉल के जरिए अनु वर्मा को बताया कि आपका मोबाइल नंबर अवैध है तथा उसका इस्तेमाल अवैध कामों में हुआ है। उसने धमकी दी थी कि आपके नंबर को सीज कर दिया जाएगा तथा गिरफ्तार भी किया जाएगा। जालसाज व्यक्ति की धमकी से अनु वर्मा डर गईं। उनके इसी डर का फायदा उठाते हुए 5 लाख रुपये ऐंठ लिए।

12 घंटे तक रखा था डिजिटल अरेस्ट

ठगों ने फरियादी अनु को एक फर्जी एफआईआर नंबर भी भेजा था। आरोपियों ने मामले को नेशनल सीक्रेट बताकर किसी अन्य को बताने से मना किया था। अनु को लगभग 12 घंटों तक अकेले ही व्हाटसएप वीडियो कॉल के माध्यम से डिजिटल अरेस्ट कर रखा गया और धमकी दी गई कि किसी अन्य व्यक्ति को इसके बारे में बताया तो स्थानीय थाने के माध्यम से अरेस्ट करके पुलिस कस्टडी में ले लिया जाएगा। इसके बाद आरोपियों द्वारा फरियादी के बैंक खाते में रखे रुपयों को अवैध रकम होना बताकर रुपयों को वेरिफाई करने के लिए भेजने को कहा गया। इस पर फरियादी ने बैंक जाकर आरटीजीएस के माध्यम से पांच लाख रुपये अनावेदक के बैंक खाते में भेज दिए।

बैंक खाते की जानकारी से मिला सुराग

सायबर क्राइम ब्रांच जिला भोपाल की टीम ने प्रकरण दर्ज करने के बाद उन सभी बैंक खातों की जानकारी निकालना शुरू की, जिनके खातों में अनु वर्मा के बैंक खाते से पैसे गए थे। इसकी जानकारी जुटाते-जुटाते पुलिस धार जिले के पीथमपुर तक पहुंची तथा वहां से आरोपी रवींद्र सिंह पिता जय सिंह (35) निवासी जिला चुरू राजस्थान को गिरफ्तार कर लिया।

हमीदिया अस्पताल में अतिक्रमण का मामला मुख्यमंत्री तक पहुंचा, हरा रंग पोतकर लगा दिया था धार्मिक झंडा

भोपाल। हमीदिया अस्पताल की बाउंड्री बाल में कुछ लोगों ने हरे रंग का पेंट करके वहां धार्मिक झंडा लगा दिया था। जिसके बाद से जूनियर डॉक्टर ने विरोध शुरू कर दिया और थाने में शिकायत की। अब यह शिकायत प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव तक पहुंच गई है। राजधानी भोपाल के हमीदिया अस्पताल की बाउंड्री बाल में कुछ लोगों ने हरे रंग का पेंट करके वहां धार्मिक झंडा लगा दिया था। जिसके बाद से जूनियर डॉक्टर ने विरोध शुरू कर दिया और थाने में शिकायत की।

अब यह शिकायत प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव तक पहुंच गई है। जूनियर डॉक्टरों ने पत्र लिखकर मुख्यमंत्री को बताया है कि किस तरह से हमीदिया अस्पताल के परिसर में लगातार अतिक्रमण बढ़ रहा है। अस्पताल परिसर में हो रहे अतिक्रमण को लेकर जूनियर डॉक्टर एसोसिएशन ने मोर्चा खोला दिया है। संगठन के अध्यक्ष डॉ कुलदीप गुप्ता का कहना है कि अस्पताल परिसर में लगातार हो रहे धार्मिक अतिक्रमण से बाहरी लोगों का लगातार आना जाना लगा रहता है जिससे अस्पताल परिसर की सिक्योरिटी एवं सेफ्टी पर समस्याएं खड़ी हो रही है। लगातार डॉक्टरों के साथ कर्मचारीयो के साथ दुर्व्यवहार के मामले सामने आ रहे है। हमारा यही मानना है अस्पताल परिसरों को सुरक्षित किया जाए, जिससे डॉक्टर अपने रोगियों की सेवा पूरी तन्मयता निर्भयता के साथ और पूरी लगन के साथ कर सके।

सीएम से शिकायत में कहा गया है कि गांधी चिकित्सा महाविद्यालय एवं हमीदिया चिकित्सालय, भोपाल जो कि राज्य का एक प्रमुख चिकित्सा एवं शैक्षणिक संस्थान है, वर्तमान में निरंतर धार्मिक अतिक्रमण की समस्या से ग्रसित हो रहा है। यह अतिक्रमण बाहरी व्यक्तियों द्वारा किया जा रहा है। जिसमे परिसर के अंदर के लोग भी इन गतिविधियों को संचालित करने के लिए सहयोग कर रहे है। जो न केवल संस्थान की गरिमा को ठेस पहुंचा रहा है, बल्कि चिकित्सा सेवाओं एवं शैक्षणिक वातावरण में भी बाधा उत्पन्न कर रहा है। लगातार बाहरी लोगों के द्वारा अनुचित और अनैतिक गतिविधियां संचालित हो रही हैं जिससे महिला डॉक्टर्स की सुरक्षा के साथ बड़ी लापरवाही भी सामने आई है।

उप मुख्यमंत्री देवड़ा से मिले नेशनल चैम्पियनशिप विजेता भाई बहन, त्रिपुरा में जीते है पदक

भोपाल। उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा से शनिवार को उनके निवास पर केरला के त्रिसुर में आयोजित नेशनल चैंपियनशिप-2025 पंजा कुश्ती (आर्म रेसलिंग) में स्वर्ण पदक विजेता रोहित सिंह और उनकी बहन कांस्य पदक विजेता खुशी लहरिया ने भेंट की। नेशनल चैम्पियनशिप में रोहित सिंह ने 2 स्वर्ण पदक और खुशी लहरिया ने 1 कांस्य पदक जीता है। उप मुख्यमंत्री ने रोहित सिंह और खुशी लहरिया के पदक जीतने पर शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आपने मध्यप्रदेश का नाम देश में रोशन किया है। अंतर्राष्ट्रीय स्तर के खेलों में मध्यप्रदेश के साथ देश का नाम भी रोशन करें। भाई-बहन रोहित एवं खुशी के कोच विक्रम अवार्डी श्री मनीष कुमार के कुशल नेतृत्व एवं प्रशिक्षण से दोनों भाई-बहन ने बेहतर प्रदर्शन किया है। उनके माता-पिता ने बताया कि प्रशिक्षण एवं लगन की बल पर दोनों बच्चों ने स्वर्ण एवं कांस्य पदक जीता है।

इलाज के साथ मानसिक, सामाजिक और आध्यात्मिक सहारा भी दिया जाएगा

एम्स में कैंसर पीड़ितों के लिए शुरू हुई पेलिएटिव केयर यूनिट

भोपाल। एम्स में पेलिएटिव केयर यूनिट शुरू की गई है। यह यूनिट रेडिएशन ऑन्कोलॉजी विभाग में आने वाले उन मरीजों के लिए तैयार की गई है, जो कैंसर या इस तरह के अन्य जीवन घातक रोग से ग्रसित हैं। यहां उन्हें इलाज के साथ मानसिक, सामाजिक और आध्यात्मिक सहारा भी दिया जाएगा। राजधानी स्थित एम्स में कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों से जूझ रहे मरीजों के लिए एक अच्छी पहल की गई है। यहां पेलिएटिव केयर यूनिट शुरू की गई है। यह यूनिट रेडिएशन ऑन्कोलॉजी विभाग में आने वाले उन मरीजों के लिए तैयार की गई है, जो कैंसर या इस तरह के अन्य जीवन घातक रोग से ग्रसित हैं। यहां उन्हें इलाज के साथ मानसिक, सामाजिक और आध्यात्मिक सहारा भी दिया जाएगा। इस यूनिट की खास बात है टीम आधारित देखभाल प्रणाली। जिसमें डॉक्टर, नर्स, काउंसलर और सामाजिक कार्यकर्ता मिलकर मरीज की सभी आवश्यकताओं का ध्यान रखते हैं। यह टीम विशेष रूप से इस यूनिट के लिए तैनात की गई है। यहां केवल रोग का इलाज नहीं, बल्कि मरीज और परिवार के जीवन की गुणवत्ता को बेहतर बनाने के उद्देश्य से काम किया जाएगा।

10 बेड से यूनिट की हुई शुरुआत

इस यूनिट की शुरुआत फिलहाल 10 बेड के साथ की गई है। एम्स के डायरेक्टर डॉ. अजय सिंह ने कहा कि पेलिएटिव केयर यूनिट केवल एक चिकित्सा सुविधा नहीं, बल्कि गरिमा, संवेदना और समग्र देखभाल का प्रतीक है। यह वार्ड कैंसर मरीजों और उनके परिजनों की पीड़ा को कम करने की कोशिश करेगा।

जाने क्यों तैयार हुई है यूनिट

कैंसर और अन्य गंभीर बीमारियों से जूझते मरीज शारीरिक नहीं, मानसिक और भावनात्मक रूप से भी टूट जाते हैं। ऐसे में पेलिएटिव केयर उन्हें एक ऐसा सहारा देती है, जो इलाज के पार भी साथ रहता है। इसमें सम्मान, समझदारी और सहजता के साथ मरीजों को डील करने पर फोकस होता है। जिससे गंभीर बीमारी के अंतिम चरण में भी मरीजों को गरिमापूर्ण और स्नेहभरा वातावरण मिल सके। यह चिकित्सा से आगे एक मानवीय पहल मानी जाती है।

हमारी संस्कृति में समरसता व ज्ञान की गौरवशाली परंपरा: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के मुख्य आतिथ्य में ग्वालियर में भव्य सामाजिक समरसता सम्मेलन आयोजित

विधानसभा अध्यक्ष तोमर, केन्द्रीय मंत्री सिंधिया सहित राज्य के मंत्री भी हुए शामिल

विभिन्न क्षेत्रों में नाम रोशन कर रही विभूतियों को किया सम्मानित

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि हमारी संस्कृति में समरसता और ज्ञान की हजारों साल पुरानी गौरवशाली परंपरा है। हमारे पूज्य संत रविदास, कबीर तथा भगवान गौतम बुद्ध से लेकर अन्य पुराने ऋषि-मुनियों एवं महापुरुषों ने समरसता की ज्योति जलाई। इसी से हमारे देश में अच्छाई-सच्चाई तथा मानवता के मूल सिद्धांतों की स्थापना हुई। बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर ने भी सामाजिक समरसता और समता का सिद्धांत दिया। साथ ही संविधान में सबको समान अधिकार प्रदान किए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को ग्वालियर में आयोजित ÷समरसता सम्मेलन÷ को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा खुशी की बात है कि ग्वालियर की पवित्र धरा से सामाजिक समरसता का आज नया सवेरा आया है, जिसके माध्यम से पूरे प्रदेश में सामाजिक समरसताऔरसौहार्द्र का वातावरण और मजबूत होगा। राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालयग्वालियरके दत्तोपंत ठेंगड़ी सभागार में आयोजित हुए ÷समरसता सम्मेलन÷ में मुख्यमंत्री डॉ. यादव, केन्द्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर सहित अन्य अतिथियों ने संतजन एवं विभिन्न क्षेत्रों में ग्वालियर व प्रदेश का नाम रोशन कर रहीं आधा दर्जन विभूतियों को समरसता सम्मान से विभूषित किया। साथ ही सरकार की योजनाओं का लाभ उठाकर आत्मनिर्भरता की नई इबारत लिख रहे समाज के आखिरी छोर पर खड़े हितग्राहियों को हितलाभ वितरित किए। सम्मेलन में मौजूद सभी प्रतिभागियों को सामाजिक समरसता की शपथ दिलाई। इसके बाद सामूहिक भोज में भी शामिल हुए। मुख्यमंत्री सहित सभी अतिथियों ने भारत माता के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्ज्वलन कर सामाजिक समरसता सम्मेलन का शुभारंभ किया।

इन विभूतियों का हुआ सम्मान: पद्म एवं राष्ट्रीय व राज्य स्तरीय विभिन्न सम्मानों से विभूषित हो चुके अंतर्राष्ट्रीय पैरास्विमरसतेन्द्र सिंह लोहिया, अंतर्राष्ट्रीय पैरा आर्म्स रेसलर विक्रम अवार्डी मनीष कुमार, ब्लड मैन के नाम से विख्यात सुधीर राव दुरापे, प्रतिभावान हॉकी खिलाड़ी कु. सोनिया कुमरे, देहदान का संकल्प ले चुके रतीराम सुमन एवं जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत अपनी ग्राम पंचायत में 10 खेत तालाब व पाँच कुँओं को रीचार्ज करने वाली जिले की ग्राम बासोड़ी की सरपंच श्रीमती गीता बाई यादव। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सहित अन्य अतिथियों ने पीएमईजीपी योजना के तहत श्रीमती रेखा खेमरिया को लगभग 9 लाख 40 हजार, देवेन्द्र राठौर को लगभग 37 लाख 50 हजार व नागार्जुन को लगभग 25 हजार रूपए की आर्थिक सहायता स्वरोजगारमूलक इकाई स्थापित करने के लिये वितरित की।

ग्वालियर-चंबल क्षेत्र बनेगा विकास का नया केंद्र

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ग्वालियर को दी 265.56 करोड़ के विकास कार्यों की सौगात

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि हमारी सरकार प्रदेश के समग्र विकास के लिए संकल्पित है। हम सबके जीवन में उजाला लाने के लिए कटिबद्ध हैं। ग्वालियर-चंबल क्षेत्र शीघ्र ही राज्य का सबसे विकसित क्षेत्र बनेगा। मुख्यमंत्री ने क्षेत्रीय किसानों से अपील की कि वे अपनी जमीन बेचने की कतई न सोंचे, क्योंकि इस क्षेत्र में शीघ्र ही रोजगार के नए अवसर और विकास की नई धाराएं बहने वाली हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को ग्वालियर के आईएसबीटी परिसर में विकास कार्यों के लोकार्पण एवं भूमिपूजन समारोह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यहां 265.56 करोड़ रुपये की लागत के विभिन्न विकास कार्यों का रिमोट का बटन दबाकर लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया। उन्होंने विभिन्न शासकीय योजनाओं के अंतर्गत पात्र हितग्राहियों को मंच से हितलाभ भी वितरित किए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में नदियों को जोड़ने का अभियान चल रहा है। केंद्र सरकार की मदद से यहां पार्वती, कालीसिंध और चंबल नदियों को आपस में जोड़ने की राष्ट्रीय नदी लिंक परियोजना पर करीब 70 हजार करोड़ रुपये की लागत से काम किया जा रहा है। साथ ही केन-बेतवा राष्ट्रीय नदी लिंक परियोजना से भी ग्वालियर-चंबल क्षेत्र के किसानों को व्यापक स्तर पर लाभ मिलने वाला है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इस क्षेत्र के बीहड़ों को अब बेहतर तरीके से विकसित किया जा रहा है। यहां के बीहड़ों में जल्द ही केंद्र सरकार के सहयोग से 2000 मेगावाट क्षमता का एक बड़ा सोलर पॉवर प्लांट स्थापित किया जा रहा है। यह मध्यप्रदेश और उत्तरप्रदेश की संयुक्त परियोजना होगी। इस परियोजना से दोनों ही प्रदेशों को ऊर्जा आपूर्ति होगी। मध्यप्रदेश और उत्तरप्रदेश 6-6 माह बराबरी से इस परियोजना से उत्पादित बिजली का उपभोग करेंगे।

जाति न पूछो साधु की पूछ लीजिए ज्ञान: मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि हमारी संस्कृति में सदैव से ज्ञान का जाति से कोई संबंध नहीं रहा है। उन्होंने संत कबीर के दोहे ÷जाति न पूछो साधु की पूछ लीजिए ज्ञान, मोल करो तलवार का पड़ी रहन दो म्यान÷ का उदाहरण देते हुए महान संत रविदास, त्रेतायुग के महान ज्ञानी अष्टावक्र जी एवं शंकराचार्य जी द्वारा काशी में एक साधारण मगर ज्ञानवान व्यक्ति को अपना गुरू बनाने का उल्लेख किया। उन्होंने जाति प्रथा की कुरीति पर प्रहार करते हुए कहा कि हरि को भजे सो हरि का होई, जाति-पाति पूछे नहीं कोई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव नेकहा कि रामानुजाचार्य जैसे संतों ने भक्ति की धारा प्रवाहित कर समाज को ज्ञान से आलोकित किया। हमेंइसी मार्ग पर चलकर देश को और ऊँचाईयों तक ले जाना होगा।

सामाजिक समरसता हमारे खून में समाई है : सिंधिया

केन्द्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि हमारी संस्कृति व सभ्यता हजारों हजार साल पुरानी है। साथ ही सामाजिक समरसता हमारे खून में समाई है। वसुधैव कुटुम्बकम की भावना हमारी मूल संस्कृति है। इसी भाव के साथ प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. यादव देश व प्रदेश को ऊँचाइयों को ले जा रहे हैं। उन्होंने कहा खुशी की बात है कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विकास की इबारत लिखने के साथ ही सामाजिक समरसता का पाठ पढ़ाने का काम भी किया है। सिंधिया ने कहा कि विश्व के 177 देशों में भारत के अलावा ऐसा कोई देश नहीं जहाँ आर्थिक एवं आध्यात्मिक शक्ति का संगम दिखाई देता हो।

प्रदेश में गैर बराबरी दूर करने के लिये हो रहे हैं सार्थक प्रयास: तोमर

विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर ने कहा कि हमारे देश का अतीत अत्यंत गौरवशाली है। हमारे पूर्वजों ने हम सभी को एकात्मता के संस्कार दिए हैं। इन संस्कारों को याद रखेंगे तो कोई हमें तोड़ नहीं पायेगा और देश निश्चित ही विश्वगुरू बनकर रहेगा। तोमर ने यह भी कहा कि ÷नर सेवा ही नारायण सेवा÷ हमारी संस्कृति का मूल मंत्र है। यह मंत्र अगर हम ध्यान में रखेंगे तो हमारा भीतरी आत्मतत्व प्रबल होगा। इससे सामाजिक समरसता भी मजबूत होगी।

सनातन परंपरा ने सदैव सामाजिक समरसता का संदेश दिया है: आर्य

पूर्व मंत्री अनुसूचित जाति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष लाल सिंह आर्य ने कहा कि हमारी सनातन परंपरा ने सदैव से सामाजिक समरसता का संदेश दिया है। उन्होंने स्वामी विवेकानंद, महाराणा प्रताप, बाबा साहब अम्बेडकर, संत रविदास, मीराबाई व पं. दीनदयाल उपाध्याय के जीवन चरित्र का उदाहरण देते हुए कहा कि इन सभी ने सामाजिक समरसता को मजबूत किया।

स्कूल में पेंट घोटाले पर प्रिंसिपल सस्पेंड, शिक्षा मंत्री उदय प्रताप ने की कार्रवाई

भोपाल। शहडोल जिले के ब्यौहारी ब्लॉक के दो स्कूलों में पेंटिंग घोटाला सामने आने के बाद अब विभाग नींद से जागा है। इन दो स्कूलों में पेंट कराने के लिए 24 लीटर पेंट खरीदा गया था। पेंट के काम के लिए स्कूल प्रिंसपल ने 443 मजदूर और 215 मिस्त्री कागजों में दिखाकर इनके पेमेंट कराने के नाम पर 3.38 लाख रुपए सरकारी खजाने से निकलवाए।

यह पूरा मामला: जनसंरक्षण भत्ते के मरम्मत कार्य के अंतर्गत हुआ है। बिलों की कॉपी सामने आने के बाद विवाद गहराया। मामला शिक्षा मंत्री राव उदय प्रताप तक पहुंच गया। अब इस मामले में हाई स्कूल सकंदी के प्रिंसिपल सुग्रीव शुक्ला को तत्काल सस्पेंड कर दिया है।

शिक्षा मंत्री राव उदय प्रताप ने सोशल मीडिया पर जानकारी देते हुए बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए स्कूल शिक्षा विभाग के सचिव व आयुक्त लोक शिक्षण को तत्काल जांच के निर्देश दिए गए थे। प्राथमिक जांच में प्राचार्य दोषी पाए गए, इसलिए सस्पेंड कर दिया गया। शहडोल के ब्यौहारी में सकंदी हाई स्कूल के निर्माण कार्यों में आई शिकायत उपरांत प्राथमिक जाँच में दोषी पाए जाने पर शाला के प्रभारी प्राचार्य को तत्काल निलंबित किया गया है। सकंदी हाई स्कूल में 784 रुपए के 4 लीटर ऑयल पेंट पर 168 मजदूर और 65 मिस्त्री लगाए गए। इस कार्य के लिए 1 लाख 6,984 का भुगतान किया गया। यह आंकड़े खुद स्कूल से जारी बिल से सामने आए हैं, जिस पर प्राचार्य और छ्श्व्ह्न के हस्ताक्षर मौजूद हैं। दूसरा मामला निपानिया के उच्चतर माध्यमिक विद्यालय का है। यहां 20 लीटर पेंट खरीदा गया, जिसके एवज में 275 मजदूर और 150 मिस्त्री कार्यरत दिखाए गए। उन्हें 2 लाख 31 हजार 650 का भुगतान किया गया। रंगाई के इस काम में दरवाजे और खिड़कियों की पेंटिंग भी शामिल थे।

इन दोनों स्कूलों के मरम्मत कार्य का ठेका सुधाकर कंस्ट्रक्शन नामक ठेकेदार को दिया गया। दिलचस्प बात ये है कि दोनों स्कूलों के बिल 5 मई को ही बनाए गए हैं, और दोनों पर स्कूल प्रिंसिपल और छ्श्व्ह्न के साइन के साथ सरकारी सील भी लगी हुई है। इस मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए छ्श्व्ह्न फूल सिंह मारपाची ने कहा कि हमने जांच शुरू करवा दी है। दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। जब उनसे पूछा गया कि बिलों पर आपके हस्ताक्षर क्यों हैं, तो उन्होंने कहा कि जो बिल वायरल हुए हैं वो अधूरे हैं। बिलों का दूसरा हिस्सा मेरे पास है, जांच के कारण पूरा बिल सार्वजनिक नहीं किया जा सकता।

ईश्वर की कृपा और संतों के आशीर्वाद से प्रदेश समृद्ध एवं खुशहाल: उप मुख्यमंत्री

भोपाल। धर्म सनातन की ध्वजा लेकर देश को आगे बढ़ाने का कार्य हमारे देश के संत कर रहे हैं और ईश्वर की कृपा तथा संतों के आशीर्वाद से देश और प्रदेश समृद्ध एवं खुशहाल बन रहे हैं। उक्त विचार उप मुख्यमंत्री एवं सागर जिले के प्रभारी मंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने सागर में आयोजित संत श्री रविशंकर रावतपुरा सरकार के जन्मोत्सव कार्यक्रम में व्यक्त किए। इस अवसर पर संत श्री रविशंकर जी महाराज, संत श्री आनंद ब्रह्मचारी, संत श्री रामलखन महाराज, संत श्री सुदर्शन दास जी, विधायक श्री प्रदीप लारिया, महापौर श्रीमती संगीता तिवारी, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री हीरासिंह राजपूत, श्री श्याम तिवारी, श्रीमती रानी कुशवाहा, श्री गौरव सिरोठिया सहित बड़ी संख्या में संत समुदाय, जनप्रतिनिधि एवं भक्तगण उपस्थित थे।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि तन, मन और जीवन को समर्पित करने वाला व्यक्ति ही संत बन सकता है, और यही कार्य हमारे संत श्री रविशंकर महाराज कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि धर्म सनातन की ध्वजा लेकर देश और प्रदेश को समृद्ध बनाने का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि रावतपुरा सरकार का संकल्प है कि 11 सदाशिव शंकर जी की मूर्तियाँ स्थापित की जाएंगी, जिनमें से सागर में 75 फीट ऊँची सदाशिव की मूर्ति का लोकार्पण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि तेरा तुझको अर्पण, मेरा क्या लागे की भावना की तर्ज पर ही सरकार कार्य कर रही है। उन्होंने यह भी कहा कि संतों की वाणी पर कोई तर्क नहीं किया जा सकता; उनकी वाणी को श्रद्धा से ग्रहण कर उसे आगे बढ़ाने का कार्य किया जाना चाहिए। रावतपुरा सरकार द्वारा देशभर में 200 स्थानों पर शिक्षा, स्वास्थ्य और जनकल्याण की संस्थाएँ संचालित की जा रही हैं। शिक्षा की संस्थाएँ खोलकर गरीबों को शिक्षित करने का कार्य कर समाज को नई दिशा प्रदान की जा रही है। उन्होंने कहा कि हमारे प्रदेश में संत-महात्माओं का वास है, इसलिए हमारा प्रदेश सुखी और समृद्ध है।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि रावतपुरा सरकार ने हमें दो मंत्र दिए हैं, जिन पर मैं चल रहा हूँ। पहला, मंदिरों को बेहतर बनाएं और दूसरा यदि कोई व्यक्ति आपके समक्ष अपनी समस्या लेकर आए, तो उसका कार्य तत्काल करें। इससे हमें आत्मिक शांति मिलती है।

ग्रामीण विकास मंत्री श्री पहलाद पटेल ने कहा कि आध्यात्मिक मार्ग, तपस्या और तप का मार्ग होता है, जिस पर चलना अत्यंत कठिन होता है। जो व्यक्ति इस मार्ग पर चलता है, वही महात्मा बनता है, क्योंकि तपस्या और तप से नई ऊर्जा प्राप्त होती है। इस ऊर्जा के सामने माया भी टिक नहीं पाती। उन्होंने बताया कि वर्ष 1990 मं हम रावतपुरा सरकार के चरणों में पहुँचे और लगभग 10 से 11 वर्षो तक उनके आशीर्वाद और तपस्या का लाभ प्राप्त किया। उनकी तपस्या से मिली अनुशासन और ऊर्जा की सीख से आज मैं देश और प्रदेश की सेवा कर पा रहा हूँ। उन्होंने कहा कि मौन साधना भी एक बड़ी तपस्या होती है, और यह रावतपुरा सरकार में विद्यमान है। उन्होंने कहा कि गुरु ने अपने शिष्यों को नियमों की पुस्तिका प्रदान की है, और सभी को उसी पुस्तिका के अनुसार भक्ति करनी चाहिए तथा नियमों का पालन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमारी भक्ति स्वार्थ या लाभ की नहीं होनी चाहिए, बल्कि श्रद्धा और समर्पण की होनी चाहिए।

भोपाल। मोहर्रम पर राजधानी में ताजिए निकाले गए।

जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत खेत तालाब निर्माण में प्रदेश स्तर पर मिलेगा प्रथम पुरस्कार

अनूपपुर। राज्य शासन द्वारा संचालित किए गए जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत श्रेष्ठ कार्य करने वाले जिलों, जनपदों तथा व्यक्तिगत श्रेणी की रैंकिंग के निर्धारित मापदंड अनुसार मध्य प्रदेश राज्य रोजगार गारंटी परिषद द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत खेत तालाब निर्माण में अनूपपुर जिले को प्रदेश में श्रेष्ठ कार्य के लिए प्रथम पुरस्कार के लिए चुना गया है। इसी तरह से जल गंगा अभियान में खेत तालाब निर्माण में श्रेष्ठ कार्य करने पर अनूपपुर जिले के पुष्पराजगढ़ जनपद को प्रथम पुरस्कार के लिए चुना गया है। कलेक्टर हर्षल पंचोली के कुशल मार्गदर्शन तथा जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी तन्मय वशिष्ठ शर्मा के नेतृत्व में जिले के ग्रामीण अंचल में किए गए कार्यों के लिए जिला श्रेणी में अनूपपुर जिला तथा जनपद श्रेणी में पुष्पराजगढ़ को प्रदेश स्तर पर प्रथम पुरस्कार के लिए चुना गया है इस चयन से प्रदेश में जिले का नाम रोशन हुआ है।

रोटरी क्लब और लीडो इंडिया की अनूठी पहल, ड्रोन वितरण कर दिया प्रशिक्षण

भोपाल। ड्रोन संचालन एवं प्रशिक्षण संबंधी भोपाल की अग्रणी कंपनी लीडो इंडिया एवं रोटरी क?लब ईस?ट भोपाल द्वारा आज बिलकिसगंज, सीहोर में एक दिवसीय ड्रोन प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें 20 ग्रामीण बच्चों को ड्रोन संचालन का प्रशिक्षण कर प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। कार्यक्रम का उद्देश्य इन बच्चों को आधुनिक तकनीकी कौशल से जोड़ना और उनके आत्मविश्वास को बढ़ाना है। इसलिये 20 बच्चों को 20 ड्रोन भी आयोजकों द्वारा निश्शुल्क वितरित किये गये। इस अवसर पर रोटरी क्लब ईस्ट भोपाल के अध्यक्ष श्री विश्वास घुषे मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। क्लब ने इस पहल में सह-आयोजक और सहयोगी की भूमिका निभाई।

श्री विश्वास घुषे ने कहा कि यह प्रयास केवल तकनीकी ज्ञान देने तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज में समावेशन एवं अवसर की समानता सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। रोटरी क्लब ईस्ट भोपाल भविष्य में भी इसी समुदाय के साथ स्वास्थ्य, शिक्षा और कौशल विकास से जुड़ी गतिविधियों को निरंतर आगे बढ़ाने का कार्य करता रहेगा।

लीडो इंडिया के डायरेक्टर राजेश नायर ने छात्रों को ड्रोन संचालन के व्यावहारिक पहलुओं की विस्तृत जानकारी दी और उन्हें इस अवसर का लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया। प्रतिभागियों में अनेक बालिकाएं भी शामिल थीं और सभी में इस अनूठे अनुभव को लेकर विशेष उत्साह देखा गया। कार्यक्रम में ग्राम बिलकिसगंज की सरपंच श्रीमती प्रिया जंगाडे भी उपस्थित रहीं और उन्होंने इसे बहुत सराहा। उत्कृष्ट प्रदर्शन दिखाने वाले बच्चों को नगद पुरस्कार भी दिया गया

रोटरेक्ट क्लब ऑफ टीआईटी एंड साइंस का अधिष्ठापन सामरोह संपन्न

भोपाल। रोटरेक्ट क्लब टी .आई .टी ने अपना 8 वां इंस्टालेशन समारोह 'आरंभ 8.0' आयोजित किया, जिसमें 2025-26 के लिए नए बोर्ड को शामिल किया गया। टीआईटी एंड साइंस के निदेशक डॉ. विकास गुप्ता ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई और क्लब के बढ़ते प्रभाव और नेतृत्व की सराहना की। विशेष अतिथि रोटेरियन जीके छिब्बर , मुख्य अतिथि डीआरआर पीएचएफ उदिता राजकोटिया सिंह, विशिष्ट अतिथि रोटेरियन अल्पना मिश्रा मैम, डीआरएस रोटारैक्टर गौतम शर्मा , जिला सचिव एडमिन आरटीआर सौरभ नायक, अमोल नेमा, इंस्टालेशन ऑफिसर आरटीआर आकाश लवी जाट और एडीआरआर आरटीआर दीपांशु सिंह राजपूत मौजूद थे। नए बोर्ड ने इंस्टालेशन ऑफिसर आकाश लवी जाट के मार्गदर्शन में आधिकारिक तौर पर शपथ ली। इस कार्यक्रम में भोपाल के वअंत रोटरेक्ट क्लबों के अध्यक्ष और सचिव भी शामिल हुए, जो एकता और सहयोग का प्रतीक था। आरम्भ 8.0 का समापन उद्देश्यपूर्ण नेतृत्व की दृष्टि के साथ हुआ।

अखण्ड भारत की सांस्कृतिक एकता के प्रवर्तक थे, डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी

यद्यदाचरति श्रेष्ठस्तत्तदेवेतरो जनः।
स यत्प्रमाणं कुरुते लोकस्तदनुवर्तते।।

– श्रीमद्भगवद्गीता

(धर्मेन्द्र सिंह लोधी)

अर्थात् महापुरुष जो आचरण करते हैं, सामान्य व्यक्ति उसी का अनुसरण करते हैं। वह अपने अनुकरणीय कार्यों से जो आदर्श प्रस्तुत करते है, संपूर्ण विश्व उसका अनुसरण करता है।

ऋषिऔर मनीषियों की इस पुण्य भारत भूमि पर हर युग में ऐसे अनेक महापुरुषों ने जन्म लिया है, जिन्होंने अपने कर्तव्य पथ पर चलकर सार्वजनिक जीवन में महत्तम ऊंचाई को प्राप्त किया है। इन महापुरूषों की शृंखला में डॉ.श्यामा प्रसाद मुखर्जी का नाम अग्रणीय है। 06 जुलाई 1901 में कलकत्ता में जन्में श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने एक महान देशभक्त शिक्षाविद्, राजनेता और मानवतावादी के रूप में राष्ट्रीय एकता और अखण्डता का प्रसार संपूर्ण भारतवर्ष में किया। डॉ. मुखर्जी ने युगधर्म के आह्वान को स्वीकार किया। राष्ट्रीय एकात्मता और अखण्डता के प्रति उनकी अगाध श्रद्धाने उन्हें राजनीति के समर में झोंकदिया। अंग्रेजों की फूट डालो और शासन करो नीति ने मुस्लिम लीग को स्थापित किया था। डॉ.श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने हिन्दू महासभा का नेतृत्व ग्रहण कर इस नीति को चुनौती दी। भारत विभाजन को साम्प्रदायिकता की समस्या का समाधान बताने वालों को चुनौती देते हुये डॉ.मुखर्जी ने कहा था कि भारत का विभाजन कर पाकिस्तान बनाये जाने से पूरा देश मजहबी उन्माद की चपेट में आ जायेगा, और हमेशा-हमेशा के लिये साम्प्रदायिक सौहार्द नष्ट हो जायेगा। उन?होंने यह भी कहा कि पाकिस्तान बनाये जाने की मांग के पीछे इस?लामीकरण की अंतर्राष्ट्रीय योजना काम कर रही है। इससे निकृष?टतम मजहबी उन्माद और मतांधता घोर अनर्थ के रूप में सामने आयेगी। आज जिस तरह इस्लामिक आतंकवाद से सम्पूर्ण विश्व ग्रसित है, उसे देखकर डॉ.मुखर्जी के विचार प्रमाणित सिद्ध होते है। भारत की अखंडता के लिए स्वतंत्र भारत में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का पहला बलिदान था। उनके बलिदान के बाद भी धारा 370 के तहत कश्मीर को भारत के संपूर्ण संविधान के दायरे से पृथक रखने की साजिश लंबे समय तक चलती रही लेकिन भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री और डॉक्टर मुखर्जी के विचारों के संवाहक नरेंद्र मोदी ने धारा 370 को हटाकर उनके सपने को साकार कर दिया है। आज कश्मीर में तिरंगा शान से लहरा रहा है।

जहां मुखर्जी ने बलिदान दिया, वो कश्मीर हमारा है।
गारो से गिलगित गिरि तक, सारा कश्मीर हमारा है।

डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी सच्चे अर्थों में राष्ट्र धर्म का पालन करने वाले साहसी, निडर, जुझारू देशभक्त थे। भारतवर्ष में जब भी राष्ट्र निर्माण की बात होगी, पौरूष की मशाल जलेगी, सत्य की आंख खुलेगी, अखंड राष्ट्रीयता और सांस्कृतिक एकता की बात होगी, तो डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के अवदान को सदा याद किया जाएगा।

राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार), मध्यप्रदेश शासन
संस्कृति, पर्यटन, धार्मिक न्यासऔर धर्मस्व विभाग

डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी के जन्मदिवस विशेष

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी :एक राष्ट्र, एक संविधान के महान सेनानी

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जीः भारत की एकता के अमर प्रहरी

हेमन्त खंडेलवाल

कुछ व्यक्तित्व ऐसे होते हैं, जो अपने विचारों, संघर्षों और बलिदानों से समय की धारा को मोड़ने का संकल्प रखते हैं। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ऐसे ही युगपुरुष थे, जिनकी राष्ट्रभक्ति, दूरदृष्टि और दृढ़ संकल्प ने भारत की एकता-अखंडता को सुदृढ़ किया। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ऐसे ही एक युगद्रष्टा थे, जिनका जीवन भारत की एकता, अखंडता और संप्रभुता के लिए समर्पित था। वे केवल एक राजनेता नहीं, बल्कि शिक्षाविद, समाज सुधारक और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के प्रबल प्रवक्ता थे। 6 जुलाई को उनका जन्मदिवस केवल एक स्मरण तिथि नहीं, बल्कि राष्ट्रनिष्ठा, त्याग और सिद्धांतों के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

देश की स्वतंत्रता के पश्चात जम्मू-कश्मीर को लेकर जो परिस्थितियाँ निर्मित हुईं, वे राष्ट्र की एकता के लिए चुनौती बन गई थी। अनुच्छेद 370 और 35ए जैसे प्रावधानों ने जम्मू-कश्मीर को भारत से पृथक करने का प्रयास किया। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने इस वैचारिक विभाजन का डटकर विरोध किया। उनका स्पष्ट मत था कि ÷एक देश में दो प्रधान, दो विधान और दो निशान नहीं चल सकते।÷ यह केवल एक नारा नहीं, बल्कि उनका जीवन दर्शन था। उन्होंने कहा था कि जब कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है, तो वहाँ भी भारत के समान संविधान और शासन होना चाहिए। अपने इस सिद्धांत को सत्य सिद्ध करने के लिए उन्होंने अपना जीवन न्यौछावर कर दिया। उनका बलिदान व्यर्थ नहीं गया, वर्षों बाद उनका सपना साकार हुआ जब 2019 में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में अनुच्छेद 370 और 35ए को निरस्त किया गया। यह कदम केवल एक संवैधानिक सुधार नहीं था, बल्कि यह भारत की एकता और अखंडता को मजबूत करने का ऐतिहासिक संकल्प था। इस निर्णय के पीछे डॉ. मुखर्जी के राष्ट्रवाद की विचारधारा स्पष्ट रूप से झलकती है।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने भारतीय राजनीति में एक स्पष्ट और सशक्त राष्ट्रीय विचारधारा प्रस्तुत की। जब पंडित जवाहरलाल नेहरू के नेतृत्व में वैचारिक प्रतिबद्धताएँ राष्ट्रहित से टकराने लगीं, तब उन्होंने मंत्रिमंडल से त्यागपत्र दे दिया। यह केवल पद का त्याग नहीं था, बल्कि राष्ट्रहित के लिए एक साहसिक और कर्त्तव्य निष्ठ कदम था। इसके बाद उन्होंने भारतीय जनसंघ की स्थापना की, जो भविष्य में भारतीय जनता पार्टी के रूप में विकसित होकर देश की सबसे बड़ी राजनीतिक शक्ति बनी। डॉ. मुखर्जी का सबसे बड़ा संघर्ष जम्मू-कश्मीर की %परमिट प्रणाली% के खिलाफ था। यह व्यवस्था कश्मीर में भारतीय नागरिकों की स्वतंत्र आवाजाही को सीमित करती थी, जिससे भारत के अंदरूनी हिस्सों को एक-दूसरे से जोड़ना मुश्किल हो रहा था। 1953 में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने जम्मू-कश्मीर की यात्रा करने का साहस दिखाया, जिसके पश्चात उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। श्रीनगर की जेल में रहस्यमय परिस्थितियों में उनकी मृत्यु 23 जून 1953 को हुई। अत्यंत पीड़ादायक है कि न उन्हें समुचित चिकित्सा व्यवस्था प्रदान की गई और न ही उनकी मौत की निष्पक्ष जांच की गई। उनकी माता श्रीमती योगमाया देवी ने इसे 'मेडिकल मर्डर' करार दिया, पर सत्ता तंत्र मौन रहा। डॉ. मुखर्जी का यह बलिदान व्यर्थ नहीं गया। उनके निधन के कुछ सप्ताहों के भीतर ही कश्मीर की परमिट प्रणाली समाप्त कर दी गई और धीरे-धीरे वह व्यवस्था बदली, जिसने देश के भीतर अलगाव और तनाव पैदा किया था। हालांकि कांग्रेस सरकारों ने दशकों तक उनकी चेतावनियों को नजरअंदाज किया, परन्तु उनकी विचारधारा आज भी भारतीय राष्ट्रवाद का आधार है।

2004 के बाद जब देश में कांग्रेस की सत्ता रही, तब जम्मू-कश्मीर को विशेष स्वायत्तता देने की बातें पुनः उठी। पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने 2010 में जम्मू-कश्मीर की स्वायत्तता की बात कहकर भारत की जनता के हितों के साथ खिलवाड़ किया। कांग्रेस ने पीडीपी की कठपुतली बनकर आतंकवादियों के प्रति नरमी बरती, जिससे कश्मीर में दशकों तक हिंसा और विस्थापन हुआ। हजारों नागरिक शरणार्थी बने और उनकी जिंदगी कठिन हुई। इस दौरान अलगाववादी शक्तियों को बढ़ावा मिला और भारत विरोधी गतिविधियां फलने-फूलने लगीं। इसके विपरीत, प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 2014 के बाद जम्मू-कश्मीर से आतंकवाद और अलगाववाद को दफन कर देश की एकता को मजबूत किया। डॉ. मुखर्जी के संघर्ष और बलिदान के कारण ही जम्मू-कश्मीर आज भारत का अभिन्न हिस्सा है। भारतीय जनसंघ से भाजपा तक की राजनीति का मूल राष्ट्रवाद रहा है, जिसने देश की अखंडता और सुरक्षा को सर्वोपरि रखा।

शिक्षा के क्षेत्र में भी डॉ. मुखर्जी ने अमूल्य योगदान दिया। उन्होंने उच्च शिक्षा को भारतीय संस्कृति से जोड़ने पर जोर दिया, ताकि देश की युवा पीढ़ी अपने सांस्कृतिक मूल्यों के साथ आधुनिक ज्ञान प्राप्त कर सके। आज नई शिक्षा नीति में भी उनके विचारों की परछाई मिलती है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार की कई जनकल्याणकारी योजनाएं प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत, तीन तलाक विरोधी कानून, डॉ. मुखर्जी के सामाजिक दृष्टिकोण और राष्ट्रहित के विचारों का प्रतिफल हैं। ये योजनाएं देश के गरीब और पिछड़े तबकों को सशक्त बनाने का प्रयास करती हैं, जैसा कि डॉ. मुखर्जी ने सदैव समर्थन किया।

डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी भारत के महान राष्ट्रवादी नेता थे, जिनका जीवन देशभक्ति और समर्पण की मिसाल है। वे पद, प्रतिष्ठा या स्वार्थ से ऊपर उठकर केवल देश की सेवा में लगे रहे। डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी का जीवन हमें सिखाता है कि सच्चा राष्ट्रवाद केवल सत्ता प्राप्ति का साधन नहीं, बल्कि सिद्धांतों और न्याय के लिए निरंतर संघर्ष है। आज जब भारत 2047 में स्वावलंबी और विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में अग्रसर है, तब उनकी शिक्षाएं और भी प्रासंगिक हो जाती हैं। डॉ. मुखर्जी का आदर्श और बलिदान हमारे लिए एक अमर प्रेरणा हैं, जो आने वाली पीढ़ियों को एकजुट, मजबूत और आत्मनिर्भर भारत बनाने के लिए प्रेरित करते रहेंगे।

-लेखक भारतीय जनता पार्टी मध्य प्रदेश के अध्यक्ष व बैतूल विधायक हैं।

स्कूली बस्ताः सिर्फ किताबों का नहीं सपनों और संभावनाओं का पिटारा

(प्रवीण कक्कड़)

नया स्कूल सत्र शुरू हो चुका है, और एक बार फिर स्कूल के गलियारों में बच्चों की हंसी गूँज रही है। यह केवल एक नया अकादमिक वर्ष नहीं, बल्कि लाखों उम्मीदों और सपनों का आगाज़ है। शिक्षा वह सबसे शक्तिशाली हथियार है, जिससे हम दुनिया को बदल सकते हैं। यह हर बच्चे का अधिकार है, और हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है कि हम इस अधिकार को हकीकत में बदलें।

शिक्षा एक बच्चे के भविष्य की नींव होती है। यह उसे ज्ञान, कौशल और सोचने-समझने की शक्ति देती है। यूनिफाइड डिस्ट्रिक्ट इंफॉर्मेशन सिस्टम फॉर एजुकेशन प्लस (यूडीआईएसई+) 2023-24 के आंकड़ों के अनुसार, भारत के स्कूलों में कुल 24.8 करोड़ छात्र नामांकित हैं। यह जानकर खुशी होती है कि शिक्षा तक पहुंच में काफी वृद्धि हुई है। 6-14 आयु वर्ग के बच्चों के लिए समग्र स्कूल नामांकन दर लगभग 20 वर्षों से 95त्न से अधिक बनी हुई है, और 2024 में यह 98.1त्न थी।शिक्षा का अधिकार अधिनियम एक महत्वपूर्ण कदम है जो यह सुनिश्चित करता है कि 6 से 14 साल के हर बच्चे को मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा मिले। इसका मतलब है कि किसी भी बच्चे को शिक्षा से वंचित रखना कानूनी रूप से गलत है। सरकारी स्कूलों में तो शिक्षा, किताबें, ड्रेस और मध्याह्न भोजन मुफ्त मिलता ही है, साथ ही निजी स्कूलों में भी 25त्न सीटें आरटीई (आरटीई) के तहत आरक्षित हैं। यह सुनिश्चित करना हमारी जिम्मेदारी है कि हर बच्चा, चाहे वह किसी भी पृष्ठभूमि से हो, स्कूल की दहलीज तक पहुंचे और अपनी पढ़ाई पूरी करे।

हमें अपने समाज के उन बच्चों पर विशेष ध्यान देना चाहिए जो किसी कारणवश स्कूल नहीं जा पा रहे हैं। अक्सर हम अपने आस-पास काम करने वाले लोगों, जैसे चौकीदार, माली, कामवाली बाई या रसोइया के बच्चों की शिक्षा के बारे में नहीं सोचते। यह हमारा नैतिक और सामाजिक दायित्व है कि हम उनके बच्चों को स्कूल पहुंचाने में मदद करें।

बच्चों को स्कूल भेजना जितना जरूरी है, उतना ही जरूरी है कि उन्हें वहां बेहतर माहौल और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिल सके। आज भी कई स्कूलों में बेहतर व्यवस्थाओं की कमी है। यह चिंताजनक है कि प्रदेश के 21,077 स्कूल महज एक शिक्षक के भरोसे चल रहे हैं, और शिक्षकों के 87,630 पद खाली हैं। शिक्षकों की कमी और बुनियादी सुविधाओं का अभाव बच्चों की शिक्षा की गुणवत्ता पर सीधा असर डालता है।

शिक्षा, सबकी साझा जिम्मेदारी : समाज क्या करे÷ अपने आस-पड़ोस में स्कूल न जाने वाले बच्चों की पहचान करें और उन्हें दाखिला लेने में मदद करें। अभिभावक क्या करें÷ बच्चों को नियमित रूप से स्कूल भेजें और उनकी पढ़ाई में रुचि जगाएं। बच्चों को समझाएं कि शिक्षा के माध्यम से ही सशक्तिकरण की राह तक पहुंचा जा सकता है।

बच्चे क्या करें : मन लगाकर पढ़ाई करें, स्कूल के नियमों का पालन करें और शिक्षकों का सम्मान करें।

शिक्षक क्या करें: बच्चों को प्यार और लगन से पढ़ाएं, उनकी समस्याओं को समझें और उन्हें प्रेरित करें।

प्रशासन क्या करे: स्कूलों में पर्याप्त सुविधाएं और शिक्षक उपलब्ध कराएं, शिक्षा की गुणवत्ता पर निगरानी रखें और बाल श्रम पर कड़ा कदम लेकर हर बच्चे को स्कूल तक पहुंचाए। शिक्षा सिर्फ एक डिग्री प्राप्त करना नहीं है, बल्कि एक जिम्मेदार नागरिक बनाना है जो समाज में सकारात्मक बदलाव ला सके। रचनात्मक सोच, समस्या-समाधान की क्षमता, सहानुभूति और नैतिकता जैसे गुणों का विकास ही सच्ची शिक्षा है। हमारा स्कूली बस्ता सिर्फ भौतिक वस्तु नहीं, बल्कि एक ऐसा प्रतीक है जो हमें याद दिलाता है कि शिक्षा एक निरंतर यात्रा है, जो न सिर्फ व्यक्ति बल्कि पूरे समाज को उज्ज्वल भविष्य की ओर ले जाती है। आइए, हम सब मिलकर बच्चों के इस सपनों के पिटारे को और अधिक समृद्ध बनाएं और यह सुनिश्चित करें कि कोई भी बच्चा शिक्षा के प्रकाश से वंचित न रहे।

डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी के जन्मदिवस विशेष

डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी राजनीति के आकाश में दमकते नक्षत्र

प्रहलाद सिंह पटेल

नाभिषेको न संस्कारः सिहंस्य क्रियते वने।
विक्रमार्जितसत्वस्य स्वयमेव मृगेन्द्रता।

हितोपदेश के इस श्लोक को चरितार्थ करते हुये कलकत्ता, बंगाल के अत्यंत ही प्रतिष्ठित एवं प्रतिभा संपन्न परिवार की विरासत के मालिक सर आशुतोष मुखर्जी बहुमुखी प्रतिभा के धनी थे एवं शिक्षाविद् के रूप में विख्यात थे। जब उनके यहाँ 6 जुलाई, 1901 को पुत्र ने जन्म लिया तब किसी को कल्पना भी नहीं थी कि यह बेटा डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी के रूप में देश की राजनीति को नई दिशा प्रदान करेगा और ÷भारतीय जनसंघ÷ जैसी राष्ट्रवादी पार्टी का संस्थापक होगा। ।÷होनहार बिरबान के, होत चीकने पात÷ कहावत को चरितार्थ करते हुए वे अपनी मैट्रिक शिक्षा 1917 में पूर्ण कर 1921 में बीए की उपाधि अर्जित करने के उपरांत 1923 में लॉ की उपाधि ग्रहण कर विदेश चले गए और 1926 में इंग्लैंड से बैरिस्टर बनकर वापस स्वदेश लौटे।अपने पिता का अनुसरण करते हुए 33 वर्ष की अल्पायु में वे 8 अगस्त 1934 से 7 अगस्त 1938 तक कलकत्ता विश्वविद्यालय के कुलपति रहे। इस पद पर नियुक्ति पाने वाले वे सबसे कम आयु के कुलपति थे। एक विचारक तथा प्रखर शिक्षाविद के रूप में उनकी उपलब्धि तथा ख्याति निरन्तर आगे बढ़ती गयी।

डॉ. मुखर्जी सच्चे अर्थों में मानवता के उपासक और अपने सिद्धांतों से समझौता न करने वाले व्यक्ति थे उन्होंने स्वेच्छा से अलख जगाने के उद्देश्य को सामने रखकर राजनीति में प्रवेश किया। उन्होंने गैर कांग्रेसी हिंदुओं को साथ लेकर कृषक प्रजा पार्टी से मिलकर प्रगतिशील गठबंधन बनाया तथा सरकार में वित्त मंत्री का दायित्व भी संभाला। इसी दौर में डॉ मुखर्जी सावरकर के राष्ट्रवाद के प्रति आकर्षित हुए और हिंदू महासभा में सम्मिलित हो गए।

बंगाल में साम्प्रदायिक विभाजन की नौबत आ रही थी। वहां मुस्लिम लीग की राजनीति से वातावरण दूषित हो रहा था। साम्प्रदायिक लोगों को ब्रिटिश सरकार प्रोत्साहित कर रही थी। ऐसी विषम परिस्थितियों में उन्होंने बीड़ा उठाया कि बंगाल में हिन्दुओं की उपेक्षा न हो। अपनी विशिष्ट रणनीति से उन्होंने बंगाल के विभाजन के मुस्लिम लीग के प्रयासों को पूरी तरह से नाकाम कर दिया। 1942में ब्रिटिश सरकार ने विभिन्न राजनैतिक दलों के छोटे-बड़े सभी नेताओं को जेलों में डाल दिया।

डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी इस धारणा के प्रबल समर्थक थे कि सांस्कृतिक दृष्टि से हम सब एक हैं। इसलिए धर्म के आधार पर वे विभाजन के कट्टर विरोधी थे। वे मानते थे कि विभाजन सम्बन्धी उत्पन्न हुई परिस्थिति ऐतिहासिक और सामाजिक कारणों से थी। वे मानते थे कि आधारभूत सत्य यह है कि हम सब एक हैं। हममें कोई अन्तर नहीं है। हम सब एक ही रक्त के हैं। एक ही भाषा, एक ही संस्कृति और एक ही हमारी विरासत है। परन्तु उनके इन विचारों को अन्य राजनैतिक दल के तत्कालीन नेताओं ने अन्यथा रूप से प्रचारित-प्रसारित किया। बावजूद इसके लोगों के दिलों में उनके प्रति अथाह प्यार और समर्थन बढ़ता गया। अगस्त, 1946 में मुस्लिम लीग ने जंग की राह पकड़ ली और कलकत्ता में बर्बरतापूर्वक अमानवीय मारकाट हुई। यह अत्यंत ही कठिन दौर था, जिसमें ब्रिटिश सरकार की भारत विभाजन की गुप्त योजना और षड्यन्त्र को एक कांग्रेस के नेताओं ने अखण्ड भारत सम्बन्धी अपने वादों को ताक पर रखकर स्वीकार कर लिया। इस समय डॉ? मुखर्जी ने बंगाल और पंजाब के विभाजन की माँग उठाकर प्रस्तावित पाकिस्तान का विभाजन कराया और आधा बंगाल और आधा पंजाब खण्डित भारत के लिए बचा लिया। गान्धी जी और सरदार पटेल के अनुरोध पर वे भारत के पहले मन्त्रिमण्डल में शामिल हुए। उन्हें उद्योग जैसे महत्वपूर्ण विभाग की जिम्मेदारी सौंपी गयी। संविधान सभा और प्रान्तीय संसद के सदस्य और केन्द्रीय मन्त्री के नाते उन्होंने शीघ्र ही अपना विशिष्ट स्थान बना लिया। किन्तु उनके राष्ट्रवादी चिन्तन के चलते अन्य नेताओं से मतभेद बराबर बने रहे। फलत÷ राष्ट्रीय हितों की प्रतिबद्धता को अपनी सर्वोच्च प्राथमिकता मानने के कारण उन्होंने मन्त्रिमण्डल से त्यागपत्र दे दिया। उन्होंने एक नई पार्टी बनायी जो उस समय विरोधी पक्ष के रूप में सबसे बड़ा दल था। अक्टूबर, 1951 में भारतीय जनसंघ का उद्भव हुआ।

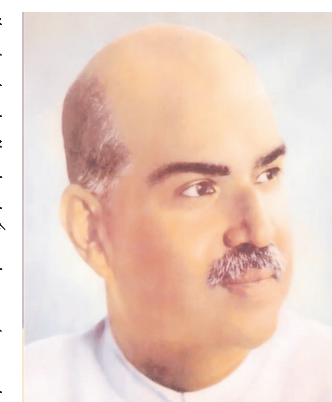

मुखर्जी जम्मू कश्मीर को भारत का पूर्ण और अभिन्न अंग बनाना चाहते थे। उस समय जम्मू कश्मीर का अलग झण्डा और अलग संविधान था। वहाँ का मुख्यमन्त्री (वजीरे-आज़म) अर्थात् प्रधानमन्त्री कहलाता था। संसद में अपने भाषण में डॉ? मुखर्जी ने धारा-370 को समाप्त करने की भी जोरदार वकालत की। अगस्त 1952 में जम्मू की विशाल रैली में उन्होंने अपना संकल्प व्यक्त किया था कि या तो मैं आपको भारतीय संविधान प्राप्त कराऊँगा या फिर इस उद्देश्य की पूर्ति के लिये अपना जीवन बलिदान कर दूँगा। उन्होंने तात्कालिन नेहरू सरकार को चुनौती दी तथा अपने दृढ़ निश्चय पर अटल रहे। अपने संकल्प को पूरा करने के लिये वे 1953 में बिना परमिट लिये जम्मू कश्मीर की यात्रा पर निकल पड़े। वहाँ पहुँचते ही उन्हें गिरफ्तार कर नज़रबन्द कर लिया गया। कश्मीर कारावास में 23 जून,1953 को 51 वर्ष की उम्र में रहस्यमय परिस्थितियों में उनकी मृत्यु हो गयी।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)
मंत्री, मध्यप्रदेश शासन
पंचायत एवं ग्रामीण विकास, श्रम विभाग

जाति कथा में भगवान फंसा

सरयूसुत मिश्रा

कुछ पाने का लक्ष्य हो, तो नीति मर्यादा सब कुछ छूट जाता है. स्वार्थ का लालच अंधा बना देता है. विभाजन चाहे धर्म का हो या जाति का हो, इसके पीछे मानसिकता एक ही होती है, आतंकवादी धर्म पूछते हैं और राजनीतिज्ञ जाति को पूछते और पूजते हैं..!!

जाति की राजनीति और आतंकवादियों की धर्म की राजनीति में अच्छाई-बुराई का नजरिया भी तलाशते लोग दिख जाएंगे. अगर मौसम चुनाव का हो यह चुनाव ऐसे राज्य में हो रहा हो जहां पूरा दारोमदार जातियों पर टिका हुआ हो, तब तो फिर जातीय संघर्ष को भी भुनाने में कोई परहेज नहीं है.

उत्तर प्रदेश के इटावा में यादव कथावाचक के साथ घटित अमानवीय घटना को जातीय संघर्ष के रूप में इसीलिए उभारा जा रहा है, क्योंकि बिहार में चुनाव हैं. उत्तर प्रदेश में भले चुनाव दूर हों, लेकिन पूरी जमावट जातियों पर ही सिमटी हुई है. जो भी घटना हुई है वह निंदनीय है. किसी को भी किसी के साथ अमानवीय व्यवहार की अनुमति नहीं है. भले ही वह अपराधी हो.

पूरे घटनाक्रम में जो बातें सामने आ रही हैं. उनमें यादव कथावाचक द्वारा अपनी पहचान छुपाने का अपराध भी घटित होना बताया जा रहा है. उनके पास दो आधार कार्ड मिले एक में उनका नाम यादव के रूप में है और दूसरे आधार कार्ड में ब्राह्मण के रूप में अपना नाम उल्लेखित किया है.

यह निश्चित रूप से अपराध है. इसके लिए उन्हें कानूनी प्रक्रिया से गुजरना पड़ेगा. लेकिन इसके बाद भी उनके साथ जिस तरह का सलूक किया गया यह सभ्य समाज में स्वीकार नहीं किया जा सकता.

बिहार और उत्तर प्रदेश में जातीय राजनीति का गढ़ रहा है. देश के दूसरे राज्यों में इन्हीं दोनों राज्यों की जातीय राजनीति अब बढ़ रही है. हिंदू मुस्लिम की राजनीति विस्तारित होने के बाद जाति की राजनीति करने वाले दलों के सामने अस्तित्व की चुनौती आ गई है. पिछले लोकसभा में इस राजनीति को बढ़ाकर चुनावी लाभ हासिल किया गया है. इसीलिए अब कथावाचक की जाति कथा में भगवान को भी फंसाया जा रहा है.

यदुवंशी भगवान कृष्ण भारतीय संस्कृति के पुरुषोत्तम हैं. यादव और ब्राह्मणों के बीच सामाजिक रूप से कभी भी खुला तनाव नहीं देखा गया. निजी रूप से घटनाएं हो सकती हैं. कृष्ण भक्ति किसी जाति तक सीमित नहीं . है. दुर्भाग्यजनक स्थिति यह है, कि लोगों ने ईश्वर भी बांट दिए हैं. हमारे सामने तो रसख़ान की कृष्णभक्ति का अनुपम उदाहरण है.

भगवान राम ने कभी अपने नाम के आगे सिंह नहीं लिखा. इसी प्रकार कृष्ण ने अपने को यादव नहीं साबित किया. परशुराम ने कभी अपना सरनेम नहीं लिखा फिर भी इन सब को अलग-अलग जातियों ने अपना अपना भगवान मान लिया है. आज व्यवस्था समाज संचालित नहीं है, बल्कि सब कुछ राजनीति संचालित हो गया है. अब जो जातिय राजनीति बढ़ रही है, उसका एकमात्र कारण राजनीतिक ही प्रतीत होता है.

कथावाचक से मारपीट पर ब्राह्मण समाज में आक्रोश

टूंडला। इटावा के गांव जनकपुर में ब्राह्मण समाज के कथावाचक की यादव समाज के लोगों द्वारा पिटाई करने के वायरल वीडियो के बाद ब्राह्मण समाज में रोष है। समाज के लोगों ने मामले में कार्रवाई करने की मांग करते हुए आंदोलन की चेतावनी दी है। हालांकि इस मामले में कथावाचक ने अभी तक कोई कानूनी कार्रवाई नहीं की है।

सोशल मीडिया पर मंगलवार को एक वीडियो वायरल हो रहा था। वायरल वीडियो में कुछ लोग रात्रि के अंधेरे में एक युवक को पीट रहे थे। वीडियो में लोग रस्सी मंगाते हुए बांधने एवं गाली-गलौज करते हुए घर में घुसते हुए महिला की चारपाई तक जाने की बात कह रहे थे।

वहीं युवक द्वारा शराब के नशे में भी कथावाचक के होने की बात कह रहे थे। वायरल वीडियो में जो युवक पिट रहा था, वह थाना नगला सिंघी क्षेत्र के गांव बालमपुर

कार्रवाई न होने पर दी आंदोलन की चेतावनी

कथा वाचक पंकज उपाध्याय ने बताया था कि वह 16 जून को वह इटावा के थाना जसवंत नगर क्षेत्र के गांव जनकपुर में कालीचरन यादव के घर भागवत कथा की बात करने गए थे।

उन्हें मिर्गी के दौरे पड़ते हैं। 17 जून की रात्रि में अचानक उनकी तबीयत बिगड़ी और वह सहारा लेने को वहां पड़ी महिला की चारपाई के निकट पहुंच गए थे तभी कुछ लोगों ने पकड़कर गाली-गलौज करते हुए पीटा था तथा उन्हें पुलिस के हवाले कर दिया। उनका वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर उन्हें बदनाम कर दिया।

इस घटना से ब्राह्मण समाज में रोष है। कार्रवाई की मांग करने वालों में जितेंद्र शर्मा, अन्नू रावत, विवेक कुमार, मनोज कुमार, राजीव कुमार, मुकेश कुमार, गजेंद्र शर्मा,

जातिगत जनगणना का राजनीतिक दबाव भी इसीलिए केंद्र सरकार द्वारा स्वीकार किया गया, क्योंकि इसको नहीं मानने में उन्हें अपना राजनीतिक नुकसान दिखाई पड़ रहा था. जाति जनगणना की प्रक्रिया चालू हो चुकी है. इसका अंतिम परिणाम अगर विकास की दृष्टि से ही उपयोग में लाया जाएगा, तब तो यह देश के लिए हितकारी हो सकता है, लेकिन अगर इन आंकड़ों को राजनीति की भट्ठी में चढ़ाया जाएगा तो फिर इससे राष्ट्रीय एकता प्रभावित हो सकती है.

कथावाचक ज्ञान के आधार पर बनता है. इसको जाति से नहीं जोड़ा जा सकता. राजनीति तो यहां तक होती है कि सरकारी मंदिरों में दलित पुजारी नियुक्ति को सामाजिक न्याय के रूप में दर्शाया जाता है. इसमें कोई आपत्ति नहीं हो सकती लेकिन जब इसमें नजरिया राजनीतिक होता है, तो फिर यह समाज के लिए घातक साबित होता है.

हर राजनीतिक दल एक दूसरे को धर्म और जाति की राजनीति के लिए आरोपित करते हैं. लेकिन कोई भी ऐसा दल नहीं है जो इनका राजनीतिक लाभ के लिए उपयोग नहीं करता हो. यह किसी एक राज्य का भी मामला नहीं है. हर राज्य में एक जैसी ही जातीय राजनीति चल रही है.

कथा के बाद कांवड़ यात्रा रूट का विवाद चालू हो गया है. ढाबों के मालिकों और कर्मचारियों की पहचान तलाशी जा रही है. इसमें कोई संशय नहीं है, कि हर नागरिक को व्यवसाय और उपासना का अधिकार है. किसी की भी आस्था को चोट नहीं पहुंचाई जा सकती. पहचान छिपाकर व्यवसाय करना अपराध की श्रेणी में हो सकता है. कोई भी व्यक्ति अपने सही नाम और धर्म को पता कर भी अपना व्यवसायकर सकता है. हो सकता है, कुछ लोग जाति और धर्म के आधार पर उसके प्रतिष्ठान पर नहीं जाएं, लेकिन पहचान छुपाकर तो एक तरह से अपराध किया जाता है.

पूरे देश में विभाजन की ही बयार है. भाषा और जाति पर लोग बांटे जा रहे हैं. धर्म पर तो आतंकवादी भारत को बांट रहे हैं. आतंकवादी भारत को हिंदू और मुस्लिम की नजर से ही देखते हैं, लेकिन राजनीति धर्म के साथ जाति को भी लाभ का धंधा मानती है. पहचान छुपा कर आतंकवादी हमला करते हैं. पहचान छुपा कर व्यवसाय करना भी एक तरह का आतंकवाद ही कहा जाएगा. किसी को भी अपनी पहचान छुपाने की क्या जरूरत है. राजनीति की आंधी में इस तरह के अपराधिक व्यवहार को तो दरकिनार कर दिया जाता है, लेकिन राजनीति लाभ के लिए जाति और धर्म को विभाजन के दांव पर खड़ा कर दिया जाता है.

पिछड़े से अति पिछड़े और दलित से अति दलित के राजनीतिक प्रयास भी ऐसे ही सोच का परिणाम है. अब तो संवैधानिक रूप से धीरे-धीरे ऐसे विचारों को मान्यता मिलने लगी है. सुप्रीम कोर्ट द्वारा विभिन्न वर्गों के लिए आरक्षित पदों में कोटे के भीतर कोटा की कल्पना भी इसी दिशा को दिखाती है.

जाति कथा और जातिय समाजवाद केवल राजनीति में दिखाई पड़ता है. सामाजिक जीवन में तोजातियों में ही गैर-बराबरी के हिमालय खड़े हुए दिखाई पड़ते हैं. गैर बराबरी मिटाना बातों में ज्यादा होता है, काम में तोइसकी गति अभी तक जहां पहुंची है,उससे बहुत कुछ हासिल नहीं हो पाया है.

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —हाकम सिंह गुर्जर
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म. प्र. ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakash.in

यातायात पुलिस ने स्कूल वाहनों के विरुद्ध चलाया विशेष चेकिंग अभियान14 वाहनों 6400 रुपए वसूले

सिरोंज । वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर शनिवार को यातायात पुलिस, स्कूल वाहनों के साथ लगभग 40-45 स्कूल वाहनों की सघन जांच की गई। जांच के दौरान दस्तावेजों में अनियमितता, सुरक्षा उपकरणों की कमी तथा ओवरलोडिंग जैसी गंभीर कमियाँ पाई मिलने पर 14 वाहनों के विरुद्ध चालानी कार्रवाई की इनसे 6400/- का शमन शुल्क करते हुए संबंधित वाहन चालकों के विरुद्ध चालानी कार्रवाई एवं सभी वाहन चालको को हिदायत दी ओर वाहन संबंधी कागजात रजिस्ट्रेशन लाइसेंस बीमा फिटनेस परमिट पीयूसी इत्यादि पूर्ण रखे, ओवरलोड सवारी न बैठाए, वाहन चलाते समय शराब का सेवन या मोबाइल पर बात ना करें, वाहन तेज गति में न चलाए, वाहन में इमर्जेंसी विंडो, मेडिकल बॉक्स, अग्निशमन यंत्र सही हो, वाहन के ब्रेक सही काम कर रहे हो इत्यादि यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया । यातायात प्रभारी रितेश बाघेला ने बताया कि विशेष अभियान प्रारंभ किया गया है। चालानी कार्रवाई के अलावा वाहन चालकों को समस्त नियमों का पालन करने के निर्देश दिए हैं आगे भी कार्रवाई जारी रहेंगी।

तय समय से हो विकास कार्य काम नहीं करने वालों को करें ब्लैक लिस्ट उमाकांत शर्मा ने की समीक्षा बैठक

सिरोंज। शनिवार को विधायक उमाकांत शर्मा ने एलबीएस कॉलेज में विकासखंड में विभिन्न विभागों से संचालित योजना एवं निर्माण कार्यों के संबंध में अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। शासन की जनहितैषी योजनाओं को आम जनता पहुंचने में किसी भी तरह की लापरवाही ना हो समय सीमा में हितग्राहियों का काम हो विभिन्न निर्माण कार्यों की समीक्षा की करते हुए लापरवाही करने वाले ठेकेदारों के खिलाफ ब्लैक लिस्ट करने की कार्रवाई के संबंध में भी निर्देश एसडीएम को दिए साथ इस शहर को हरा भरा बनाने के लिए वृक्षारोपण पर विशेष जोर दिया इसके अलावा उन्होंने स्कूल और आंगनबाड़ी केंद्रों जितने भी मार्ग खराब है उनको तत्काल ठीक करवाने के दिशा निर्देश सभी कामों की विस्तार से समीक्षा की।

विधायक श्री शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री तथा मुख्यमंत्री मंशानुरूप सरकार की जनहितकारी योजना का क्रियान्वयन समय पर और अच्छे ढंग से करवाए जिससे की आम जनता को बगैर किसी असुविधा के समय सीमा में लाभ प्राप्त हो नालों के संबंध में उन्होंने सीएमओ से समीक्षा करके इनको जल्दी बनवाने के लिए सभी जरूरी कदम उठाए साफ सफाई के साथ पानी निकासी की समस्या भी निर्मित ना हो इसका भी ध्यान रखें। बरसात में बिजली की ट्रिपिंग अधिक हो रही है उसके लिए भी बिजली विभाग कंपनी का अधिकारियों को विधायक ने निर्देश दिए की बिजली कटौती ज्यादा ना हो अच्छे से मेंटेनेंस का कार्य करे बरसात में बिजली की कटौती बिल्कुल ना हो ऐसा कदम उठाए। बन विभाग के अधिकारियों को अधिक से अधिक क्षेत्र में पौधारोपण करने के लिए निर्देशित किया राजस्व विभाग के अलावा अन्य विभागों के कामों की भी समीक्षा की। इस दौरान एसडीएम हर्षल चौधरी, जनपद पंचायत के सीईओ उदय प्रताप सिंह, सीएमओ रामप्रकाश साहू सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

हरियाली महोत्सव के अवसर पर पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन

आष्टा। आष्टा ब्लॉक के आष्टा, जावर , पार्वती, सिद्धि गंज थानों में आज पौधरोपण किया गया। पुलिस मुख्यालय भोपाल द्वारा प्राप्त निर्देशों के अनुपालन में 5 जुलाई को हरियाली महोत्सव के उपलक्ष्य में थाना आष्टा, चौकी मैना (थाना पार्वती) एवं थाना सिद्दीकगंज परिसर में पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ थाना आष्टा के निरीक्षक गिरीश दुबे, थाना पार्वती के निरीक्षक हरिसिंह परमार एवं थाना सिद्दीकगंज के निरीक्षक राजू बघेल द्वारा पौधारोपण कर किया गया। इस अवसर पर समस्त पुलिस स्टाफ द्वारा मिलकर फलदार, छायादार एवं औषधीय पौधों का रोपण किया गया तथा उनके संरक्षण का संकल्प लिया गया।

आठ जुआरी पकड़ाए, 2.55 लाख का सामान किया जब्त

शहडोल। जिले मे सोहागपुर पुलिस ने ग्राम कोनी के अलग-अलग स्थानों में दबिश देकर जुआ खेलते आठ आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस को सूचना मिली कि कोनी में कुछ लोग जुआ फड़ संचालित कर रहे हैं। पुलिस अलग-अलग टीम गठित कर दोनों स्थानों में दबिश देकर मनीष सिंह परिहार, हबीब अली, लकी सोनी,श्याम मोहन बैगा, प्रदीप सिंह, आयुष सोनी, सत्यम गोपाल प्यासी एवं सकील अंसारी को हिरासत में लिया। तलाशी लेने पर सभी के कब्जे से 5 हजार रुपए नकद ताश के पत्ते एवं चार मोटर साइकल सहित 2.55 लाख का मशुरुका बरामद हुआ। पुलिस ने सभी आरोपियों के विरुद्ध जुआ एक्ट के तहत कार्यवाही की है।

गर्मजोशी से हुआ नव नियुक्त भाजपा प्रदेश अध्यक्ष का स्वागत

ओबेदुल्लागंज (संवाददाता)। प्रथम नगर आगमन पर आज सुबह ओबेदुल्लागंज से निकल रहे नव नियुक्त प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल का गर्मजोशी से स्वागत किया इस दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं सहित न्यू विंध्याचल रिजॉर्ट पर गिल परिवार द्वारा गर्मजोशी से स्वागत किया। स्वागत बेला पर बोले प्रदेश अध्यक्ष गिल परिवार से मेरा 40 बर्ष पुराना नाता है भाजपा परिवार से जुड़े प्रत्येक सदस्य का रखूंगा पूरा ध्यान।

भोपाल से नागपुर जा रही यात्री बस ने बाइक सवार को मारी टक्कर, मौत

ओबेदुल्लागंज (संवाददाता) -ओबेदुल्लागंज बाईपास कलारी के सामने चौराहे पर शनिवार सुबह 10ः00 से 11ः00 बजे के बीच भोपाल से आ रही नागपुर बस क्रमांक एमपी 28 पी 2100 मोटरसाइकिल का भीषण एक्सीडेंट हुआ जिसमें हरिओम नागर दाहोद उम्र 38 वर्ष जो कि औबेदुल्लागंज मेडिकल पर काम करते थे उनका अस्पताल ले जाते समय मृत्यु हो गई टी. आई बीपी सिंह ने बताया कि बस को जप्त कर लिया गया है एवं ड्राइवर को गिरफ्तार कर लिया गया है वहीं इस बाईपास चौराहे पर कई दुर्घटनाएं हो चुकी है दुर्घटनाएं होती हैं तब अधिकारी कहते हैं काशन बोर्ड लगाएंगे मगर अभी तक कोई काशन बोर्ड नहीं है और पिछले दिनों रेस्ट हाउस के पास एक्सीडेंट हुआ था तब एसडीम चंद्रशेखर श्रीवास्तव एसडीओपी शीला सुराणा ने शांति कमेटी की बैठक कहा था कि दुर्घटना जहां-जहां होती है वहां पर स्पीड ब्रेकर बनेंगे मगर नगर परिषद ने ना ही पीडब्ल्यूडी ने इस चौराहे पर ना कोई स्पीड ब्रेकर बनाए और ना कोई काशन बोर्ड लगाया दुर्घटना स्थल पर भारी भीड़ ने प्रशासन से मांग की है की नगर परिषद या पीडब्लूडी विभाग स्पीड ब्रेकर बनाएं जिससे दुर्घटनाओं को रोका जा सकता है द्य

कर वसूली जल प्रदाय एवं सफाई व्यवस्था दुरुस्त मेरी पहली प्राथमिकता : सीएमओ

दमोह। मुख्य नगर पालिका के नवागत मुख्य नगर पालिका अधिकारी राजेंद्र सिंह लोधी ने कहा कि मेरी पहली प्राथमिकता शहर में कर (टैक्स) वसूली हो एवं सफाई व्यवस्था दुरुस्त रहे उन्होंने नगर वासियों से आग्रह किया है अपना कर समय पर जमा करें जिससे कि शहर में विकास कार्य हो सकें साथ ही सफाई व्यवस्था का भी ख्याल रखें घर से निकलने वाले कचरे को कचरा गाड़ी में डालें नवागत सीएमओ प्रतिदिन सुबह 6 बजे से शहर के वार्डों में घूमकर सफाई व्यवस्था का जायजा लेते है उन्होंने कहा कि सभी शहर वासियों के सहयोग से ही हम सफाई व्यवस्था रख पाएंगे साथ ही हमारा ये प्रयास कि स्वच्छता सर्वेक्षण कि सूची में अंडर 10 में शामिल हो सकें। पार्कों का किया जाएगा सौंदर्यीकरण- मुख्य नगर पालिका अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि शहर के सभी पार्कों के सौंदर्यकरण के लिए कार्य किए जाएंगे पार्कों को सुंदर बनाने के लिए हम एक बेहतर कार्य योजना तैयार कर रहे हैं।

म.प्र. जन अभियान परिषद स्थापना दिवस पर स्वैच्छिकता पर्व का आयोजन

शिवपुरी । मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के स्थापना दिवस के अवसर पर आज स्वैच्छिकता पर्व का आयोजन प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, श्रीमंत माधवराव सिंधिया स्नातकोत्तर महाविद्यालय, शिवपुरी के विधि विभाग सभागार में किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में स्वैच्छिकता एवं सामूहिकता के भाव को स्थापित करना रहा। कार्यक्रम में वरिष्ठ शिक्षाविद मधुसूदन चौबे मुख्य अतिथि रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में सामाजिक कार्यकर्ता भरत अग्रवाल, जनभागीदारी समिति अध्यक्ष अमित भार्गव, लॉ विभागाध्यक्ष प्रो. दिग्विजय सिंह सिकरवार तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. पवन श्रीवास्तव ने की। जन अभियान परिषद की जिला समन्वयक डॉ. रीना शर्मा विशेष रूप से उपस्थित रहीं।कार्यक्रम की शुरुआत भारत माता के चित्र पर दीप प्रज्वलन के साथ हुई। इस अवसर पर मुख्यमंत्री एवं उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा द्वारा प्रेषित संदेश का वाचन डॉ. रीना शर्मा द्वारा किया गया। परिषद के उपाध्यक्ष मोहन नागर का संदेश वर्चुअल माध्यम से प्रसारित हुआ एवं परिषद द्वारा किए गए कार्यों पर आधारित लघु फिल्म भी प्रदर्शित की गई। मुख्य अतिथि मधुसूदन चौबे ने अपने संबोधन में बताया कि आर्थिक कठिनाइयों के बावजूद उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में योगदान का संकल्प लिया, जिसे सेवा शिवपुरी संस्था के माध्यम से मूर्त रूप दिया गया। उन्होंने सभी से समाज सेवा की भावना से कार्य करने का आह्वान किया।सामाजिक कार्यकर्ता भरत अग्रवाल ने बताया कि उन्होंने सर्वाइकल पीड़ितों के निरूशुल्क उपचार का कार्य प्रारंभ किया। जिससे उन्हें गहरी आत्मसंतुष्टि प्राप्त होती है।

शिवपुरी जिले के 2,956 छात्र-छात्राओं को मिली लैपटॉप की राशि

शिवपुरी। प्रतिभाशाली विद्यार्थी प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत शुक्रवार को मानस भवन, शिवपुरी में जिला स्तरीय लैपटॉप राशि वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कक्षा 12वीं की बोर्ड परीक्षा में 75 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले शिवपुरी जिले के 2,956 छात्र-छात्राओं को 25-25 हजार की राशि वितरित की गई। इस प्रकार कुल 7 करोड़ 39 लाख की राशि का वितरण किया गया।कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथियों द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुई। छात्राओं द्वारा मंच से मातृ वंदना का वाचन भी प्रस्तुत किया गया।कार्यक्रम में कलेक्टर रवीन्द्र कुमार चौधरी, जिला पंचायत अध्यक्ष नेहा यादव, भाजपा जिला अध्यक्ष जसमंत जाटव, पूर्व अध्यक्ष राजू बाथम, पूर्व विधायक प्रहलाद भारती, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष मुन्नालाल कुशवाह सहित अन्य जनप्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं और उनके अभिभावक, शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित थे।कार्यक्रम के दौरान ऊर्जा मंत्री एवं जिले के प्रभारी प्रद्युम्न सिंह तोमर ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़कर विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार की इस योजना से विद्यार्थियों को तकनीकी रूप से सक्षम बनने में सहायता मिलेगी। इस अवसर पर भोपाल में आयोजित प्रदेश स्तरीय कार्यक्रम का सीधा प्रसारण भी किया गया, जिसमें मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का संबोधन उपस्थितजनों द्वारा देखा और सुना गया। प्रदेश भर में कक्षा 12वीं की बोर्ड परीक्षा में 75 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले कुल 94,234 विद्यार्थियों को 25-25 हजार की प्रोत्साहन राशि का वितरण किया गया है।जिला पंचायत अध्यक्ष नेहा यादव ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा जो वादे किए गए है, उन्हे वो एक-एक करके पूरा कर रही है। आज के कार्यक्रम के माध्यम से 2956 छात्र-छात्राओं को लैपटॉप की राशि का वितरण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा इसके साथ ही छात्र-छात्राओं को गणवेश वितरण, साइकिल वितरण, स्कूटी वितरण तथा छात्रवृत्ति का वितरण विभिन्न योजनाओं के माध्यम से किया जा रहा है। सभी छात्र-छात्राएं इन योजनाओं का लाभ लेकर अपने भविष्य का उज्ज्वल बनाए और प्रदेश सहित देश का नाम रोशन करें।जिला अध्यक्ष जसमंत जाटव ने कहा कि मध्यप्रदेश ने नई शिक्षा नीति लाकर जो कार्य किया है, वह अतुलनीय है। छात्र-छात्राओं को जो लेपटॉप की राशि का वितरण किया गया है, उस राशि का सदोपयोग करें।छात्र-छात्राओं के माध्यम से आने वाले भविष्य को आगे बढ़ाने का कार्य कर रही है। हमारा संकल्प है कि हम प्रदेश के शासकीय विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं बेहतर व्यवस्थाओं से हमारे विद्यार्थियों को लाभान्वित करें। उन्होंने कहा कि सरकार तन-मन-धन से आपके साथ खड़ी है। सभी छात्र-छात्राएं मन लगाकर पढ़े और देश का मान बढ़ाए। कार्यक्रम के अंत में भाजपा जिलाध्यक्ष जसमंत जाटव द्वारा जिले में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर शासकीय हायर सेकेण्डरी स्कूल की छात्रा मानसी तिवारी निवासी धौलागढ़ का स्वागत करते हुए 5 हजार रूपए से पुरस्कृत भी किया गया।

विसंगतियों व कार्यों में घोर लापरवाही पाए जाने पर पूर्णिमानन्द व्यास निलंबित, मुंगावली रहेगा मुख्यालय

अशोकनगर। कलेक्टर आदित्यसिंह ने सहायक ग्रेड 3 पूर्णिमानन्द व्यास को विसंगतियों व कार्यों में घोर लापरवाही पाए जाने पर निलंबित कर दिया है। उनका मुख्यालय मुंगावली रहेगा। पूर्णिमानन्द व्यास कलेक्टर कार्यालय में पदस्थ थे। उन्हें सौंपी गई शाखा एससी 2 में काफी विसंगतियां तथा कार्यों में घोर लापरवाही पाई गईं। संयुक्त कलेक्टर ने जिला कलेक्ट्रेट की एससी 2 शाखा का औचक टेबिल निरीक्षण किया था। निरीक्षण के दौरान पूर्णिमानन्द व्यास, कार्यालय कलेक्टर को सौंपी गई शाखा एससी 2 काफी विसंगतियां तथा कार्यों में घोर लापरवाही पाये जाने पर कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया था। कारण बताओ सूचना पत्र का उत्तर समाधान कारक नहीं पाए जाने पर तत्काल प्रभाव से कार्रवाई की गई। निलंबन अवधि में इनका मुख्यालय कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी राजस्व अनुभाग मुंगावली रहेगा। निलंबन अवधि में नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ते की पात्रता रहेगी।

बाईपास में लगे संकेत बोर्ड दे रहे हैं दुर्घटना को दावत , वाहन चालक हो रहे हैं परेशान ,जिम्मेदार नहीं दे रहा ध्यान

सिरोंज। जिम्मेदारी अधिकारियों की अनदेखी के कारण किसी दिन बाईपास मार्गो पर बड़ा हादसा हो सकता है गर्तव्य की जानकारी देने के लिए लगाए गए बोर्ड क्षतिग्रस्त होकर लटके हुए किसी भी देने तेज हवा चलने पर गिर जाएंगे तो उसे दिन बड़ा हादसा भी हो सकता है शायद जिम्मेदार हादसा होने का इंतजार कर रहे हैं तभी तो इनको बदलवाने और ठीक करवाने के लिए ध्यान नहीं दे रहा है। वहीं अधिकारियों तथा जनप्रतिनिधियों का भी इन्हीं मार्गो से कई बार आना जाना होता है । इन्होंने भी इसकी चिंता नहीं है। मार्ग पर विभिन्न स्थान को आने जाने की सूचना प्रदान करने के लिए लगे हैं सांकेतिक बोर्ड 2 महीने से क्षतिग्रस्त पड़ हुए हैं ना तो उनकी मरम्मत कराई गई और ना ही उनकी जगह पर दूसरे बोर्ड लगवाने कार्य सड़क परिवहन विभाग के द्वारा किया जा रहा है जिम्मेदारी में तो इस पर ध्यान देना ही अभी तक उचित नहीं समझा है इस कारण से बायपास मार्ग से भोपाल, इंदौर गुना, बीना ,आरोन, विदिशा, बासौदा ,लटेरी ब्यावरा आदि जाने की जानकारी प्राप्त नहीं होने से बाहर के वाहन चालकों सबसे ज़्यादा परेशानी हो रहे हैं कई वाहन चालक शहर में आ जाते हैं इसके बारे में कोई यहां से पूछना पड़ता है किलोमीटर के बारे में भी पता नहीं चल पा रहा है यह प्रशासन की बहुत बड़ी लापरवाही है तत्काल इस समस्या का समाधान करवाने के लिए अधिकारियों को कदम उठाने चाहिए जिससे कि वाहन चालकों को राहत मिले टूटे हुए बोर्डों के कारण किसी भी बड़ी जनहानि भी हो सकती है।

देश की स्त्रियों के मूल-भूत अधिकारों पर बड़ा सवाल

रायपुर। देश की विशाल जनसंख्या में बहुत बड़े प्रतिशत की भागीदारी रखने वाली राष्ट्र की संवेदनशील माताएं ,बहने अपने मूल तथा सार्थक अधिकार की तलाश में अभी भी संविधान और सरकार की तरफ आस लगाए इंतजार में बैठी हुई है। स्त्रियों का एक बड़ा तबका अभी भी अपनी स्वतंत्रता एवं मौलिक अधिकार से वंचित है। महिलाओं का विकास जितना विशाल आभासी रूप से दिखाया जा रहा है, वास्तविकता एवं धरातल पर स्थिति वैसी नहीं है। महिलाओं के भौतिक रूप से विकास के लिए एक जन अभियान और पृथक समेकित योजना की आवश्यकता देश में होगी तब जाकर महिलाओं के सशक्तिकरण की बात अपनी मूल भावना को प्राप्त कर पाएगा। भारतीय गणतंत्र में 15वीं राष्ट्रपति के रूप में महामहिम द्रौपदी मुर्मू के पदासीन होने के साथ-साथ महिला सशक्तिकरण और आदिवासी महिलाओं के लिए विकास के नए द्वार खुलने की संभावनाएं बलवती हो गई हैं। माननीय राष्ट्रपति को महिलाओं के संघर्ष, जिजीविषा और नैतिक मूल्यों की पोषक होने का पर्याय माना जा रहा है। उनके राष्ट्रपति पदासीन होने के साथ-साथ आदिवासी वर्ग में और खासकर समग्र रूप से महिलाओं में नई ऊर्जा,शक्ति तथा उत्साह का संचार हुआ है। अब भारत देश के क्रमिक विकास में महिलाओं की भागीदारी में निश्चित तौर पर इजाफा होना चाहिए, आदिवासी महिला के सर्वोच्च राष्ट्रपति जैसे गरिमामई पद में चयन होना भारतीय लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत है। वर्तमान में भारत की विशाल जनसंख्या में 45न्न से 50न्न भागीदारी महिलाओं की है । महिलाओं को अभी उनके हक का अधिकार एवं भागीदारी सुनिश्चित नहीं हो पा रही है, ऐसे में रक्षा प्रतिरक्षा क्षेत्र में महिलाओं की भर्ती एक अच्छे संकेत के रूप में सामने आ रही हैद्य आज के समय में महिलाएं सभी क्षेत्रों में साहस, शौर्य और ऊर्जा का बेहतरीन प्रदर्शन करते आ रही हैं, महिलाएं पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर हर काम में अग्रणी भूमिका निभाने के लिए तैयार है। अब इसमें सशस्त्र बलों यानी डिफेंस सर्विस भी अछूता नहीं रहा सबसे बड़ी बात स्वतंत्र भारत की दूसरी रक्षा मंत्री निर्मला सीतारमण बनी थी इसके पूर्व श्रीमती इंदिरा गांधी प्रथम रक्षा मंत्री रहीं थीद्य अब कोई भी क्षेत्र ऐसा अछूता नहीं रहा जहां महिलाओं ने अपनी सशक्त दस्तक ई पहचान ना कराई हो, यह तो पूर्व से ही कहा गया है यदि आप एक पुरुष को शिक्षित करते हैं तो सिर्फ एक पुरुष शिक्षक होता है किंतु यदि आप किसी महिला को सर्वांगीण शिक्षा देते हैं तो आने वाली संपूर्ण पीढ़ी को शिक्षित कर रहे हैं ।नारी शक्ति को अब ज्यादा दिनों तक देश की प्रगति विकास के योगदान से परे नहीं रखा जा सकता हैद्य परिवार की धुरी महिलाएं होती है परिवार से घर बनता है धर से समाज और समाज और संपूर्ण समाज से एक सशक्त राष्ट्र की बुनियाद रखी जाती है। इस तरह देश की बुनियाद ही स्त्री सशक्तिकरण हैद्य महिलाएं अच्छी तरह समझती हैं कि घर से लेकर देश की सीमा तक उन्हें व्यवहार कर देश के विकास और उसकी रक्षा में उन्हें किस तरह योगदान देना है। महिलाओं के बिना देश की प्रगति एवं विकास की कल्पना सर्वथा बेमानी हैद्य सशक्त माताएं सशक्त राष्ट्र का निर्माण करती हैंद्य और सीमा रक्षा बलों में महिलाओं की भागीदारी इसका एक बड़ा उदाहरण और प्रतिफल है इन उदाहरणों में से प्रथम लेफ्टिनेंट सुनीता अरोड़ा ,प्रथम एयर मार्शल पद्मावती बंदोपाध्याय ,कैप्टन मिताली मधुमिता ,भारत में आए अमेरिकी राष्ट्रपति को गार्ड ऑफ ऑनर देने वाली प्रथम विंग कमांडर पूजा ठाकुर ऐसे अधिकारियों के नाम है जिन्होंने रक्षा क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है एवं महिलाओं के प्रति सारी अवधारणाओं को गलत साबित कर एक सशक्त छवि को निरूपित किया हैद्य महिलाओं की शारीरिक बनावट तथा उनके शारीरिक विन्यास को देखते हुए प्रतिरक्षा सेवा में उनकी भूमिका बहुत कम रही है,हम मां दुर्गा भवानी की पूजा करते हैं और महिलाओं को कमजोर समझते हैं। किंतु उनकी शक्ति को उनकी भागीदारी को अंततः स्वीकार किया गया और 1992 में पहली बार भारतीय सेना में महिलाओं के लिए द्वार खोले गए एवं 25 महिला कैंडिडेट को ऑफिसर ट्रेनिंग एकेडमी गया में ट्रेनिंग दी गई इसके पूर्व सिर्फ चिकित्सा सेवा में महिलाओं को नियुक्त किया जाता रहा है। सेना में इनकी भागीदारी होते हुए भी इन्हें पुरुषों के समान अधिकार नहीं दिए गए थे, महिलाएं रक्षा सेवा में विधिक, शिक्षा, इंजीनियरिंग, इंटेलिजेंस तथा ऐयर सिग्नल कोर में अपनी सेवाएं देती रही हैं ।महिलाओं को केवल शॉर्ट सर्विस कमिशन जाने की 14 साल तक के लिए कमीशन किया जाता रहा जबकि पूरे समय के लिए केवल पुरुषों को ही सेना में भर्ती किया जाता थाद्य सेना की सैन्य प्रमुखों की समिति ने सशस्त्र बलों में महिलाओं की नियुक्ति पर स्थाई कमीशन की सिफारिश तो की किंतु इन्हें लड़ाकू सैनिकों की भूमिका देने से इनकार कर दिया उसके पीछे यह दलील दी गई की महिलाओं को लड़ाई के मैदान में भेजना उनकी व्यक्तिगत सुरक्षा के लिए ठीक नहीं एवं देश की संस्कृति के अनुसार महिलाओं को दुश्मन से लड़ने भेजना अथवा दुश्मन द्वारा पकड़े जाने पर उचित नहीं होगा। इसलिए महिलाओं को फ्रंटलाइन में नियुक्त किया जाना उचित नहीं होगा किंतु बाद में कुछ संशोधन किए जाने के पश्चात महिला अधिकारी कॉम्बैट जोन में पदस्थ की जाने लगी किंतु समाज का नजरिया महिलाओं के संदर्भ में बदलने लगा एवं 2016 में सशस्त्र बलों के कॉम्बैट क्षेत्र में महिलाओं को नियुक्ति देने की बात स्वीकार की गई इसमें दुनिया में कुछ देश ही हैं जिन्होंने महिलाओं को वार फ्रंट पर नियुक्त किया है। पूर्व के थल सेना प्रमुख बिपिन रावत ने भी कहा था कि हम महिला और पुरुष को समान रूप से देखना चाहते एवं इसके लिए जल थल और वायु सेना एक रूपरेखा तैयार कर रही है जिसके सुखद परिणाम भी होंगे,सशस्त्र बलों में महिलाओं की भागीदारी मजबूत रूप से सामने आएगी।

एवं पुरुषों की भांति देश की रक्षा तथा दुश्मनों से लोहा लेने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगीं।

कौशल विकास के लिए डिजिटल मित्र प्रशिक्षण हुआ प्रारंभ

बालाघाट। हिंसा से ग्रसित एवं आर्थिक रूप से कमजोर महिलाओं को मिलेगा डिजिटल सशक्तिकरण कार्ड सेंटर फॉर एडवांस रिसर्च, एंड डेवलोपमेंट बालाघाट में 04 जुलाई 2025 को अशासकीय सामाजिक संस्था जीवन दान के सहयोग से डिजिटल मित्र कंप्यूटर प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरुआत की गई। यह प्रशिक्षण विशेष रूप से हिंसा से प्रभावित महिलाओं एवं अन्य जरूरतमंद युवतियों के कौशल विकास और आत्मनिर्भरता को ध्यान में रखते हुए प्रारंभ किया गया है। इस दो माह की अवधि वाले निःशुल्क प्रशिक्षण में कुल 30 महिलाओं/युवतियों को शामिल किया गया है, जिनमें से 20 महिलाएं वन स्टॉप सेंटर बालाघाट से नामित की गई हैं। प्रशिक्षण का उद्देश्य प्रतिभागियों को कंप्यूटर ज्ञान प्रदान कर उन्हें स्वरोजगार एवं डिजिटल क्षेत्र में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना है। इस अवसर पर नवजीवन संस्थान द्वारा सभी प्रशिक्षणार्थियों को इंडक्शन किट का वितरण भी किया गया। यह पहल महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

क्रिकेट विरासत को सहेजेगा एमपीसीए संग्रहालय

कपिल देव की प्रतिमा से सजा प्रवेश द्वार

इंदौर। इंदौर में मध्य प्रदेश क्रिकेट संगठन (एमपीसीए) ने क्रिकेट प्रेमियों के लिए एक ऐतिहासिक पहल की है। यहां होलकर स्टेडियम में एक भव्य क्रिकेट संग्रहालय का निर्माण किया है। इस संग्रहालय का उद्घाटन सोमवार को केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया और पूर्व भारतीय कप्तान दिलीप वेंगसरकर की उपस्थिति में होगा।

लॉर्ड्स की ऐतिहासिक बालकनी

इस संग्रहालय में सबसे खास बात यह है कि इसका प्रवेश द्वार लॉर्ड्स की ऐतिहासिक बालकनी की तर्ज पर बनाया गया है। जिसमें 1983 में भारत ने पहली बार विश्व कप जीता था। यहां कपिल देव की प्रतिमा के हाथों में विश्व कप ट्रॉफी लिए हुए दिखाया गया है। जो दर्शकों का स्वागत करती है। यह दृश्य भारत की क्रिकेट विरासत का प्रतीक बन जाएगा।

वागेश कनमड़ीकर की अनदेखी

जहां कपिल देव की यह प्रतिमा 1983 की यादों को ताजा करती है, वहीं इंदौर के ही अनंत वागेश कनमड़ीकर, जो उस समय बीसीसीआई के सचिव थे और कपिल के साथ ही लॉर्ड्स की बालकनी में तिरंगा लहरा रहे थे, उन्हें इस विरासत में शामिल नहीं किया गया है। एमपीपीसीए ने उनकी अनदेखी की है। यह चूक मध्य प्रदेश के क्रिकेट प्रेमियों को निराश कर सकती है, खासकर इसलिए क्योंकि कनमड़ीकर न सिर्फ उस ऐतिहासिक पल का हिस्सा थे, बल्कि इंदौर के गौरव भी हैं।

संग्रहालय में यह है एतिहासिक विरासत

इंदौर के होलकर स्टेडियम में सीके नायडू, मुश्ताक अली और होलकर युग की ऐतिहासिक वस्तुओं सहित पूर्व दिग्गज क्रिकेटरों के हस्ताक्षरित बल्ले, दस्ताने और अन्य किट सहित 1983 की विश्व विजेता टीम की झलकियों संजोए हुए एक खंड का निर्माण किया गया है। इसके साथ ही संग्रहालय को एक खेल पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करने की योजना भी बनाई गई है। यहां एमपीसीए सचिव संजीव राव ने बताया कि हमने होलकर कालीन इतिहास के साथ भारतीय और मध्य प्रदेश क्रिकेट से जुड़ी अमूल्य धरोहरों को इस संग्रहालय में संजोने का प्रयास किया है।

भारत में शुरू हुआ था नया युग

कपिल देव का योगदान क्रिकेट जगत कभी नहीं भूल सकता है। वह ऐतिहासक था जब 1983 में भारतीय टीम के विश्व विजेता बनने के बाद एक नए युग की शुरुआत की थी। पहला वर्ल्ड कप जीतने के बाद भारत में क्रिकेट को लेकर खिलाड़ियो में उत्साह बढ़ गया था। आत्मविश्वास जाग गया था। जिसके बाद भारत ने क्रिकेट पर राज करना शुरू किया. जल्द ही उन्होंने शारजाह में एशिया कप और ऑस्ट्रेलिया में क्रिकेट की विश्व चैम्पियनशिप जीती. भारतीय वनडे इतिहास को अगर हिस्सों में बाटना होगा तो उसे चार हिस्सों में आसानी से बाटां जा सकता है. पहला 1983 तक, दूसरा 1983 से सचिन के आने तक. फिर सचिन के संन्यास के बाद मौजूदा दौर तक भारत क्रिकेट में अपना परचम लहरा रहा है।

कपिल के जादू के बाद अस्त हो गया वेस्टइंडीज का सूरज

1983 वर्ल्ड कप के बाद जहां भारत वर्ल्ड क्रिकेट में एक नए सुपरपावर के रूप में उभरा तो दूसरी तरफ वेस्टइंडीज का सूरज अस्त होता चला गया. 1983 वर्ल्ड कप से पहले कुछ दिग्गज संन्यास ले चुके थे और इस वर्ल्ड कप के बाद कई और दिग्गजों ने संन्यास लिया. वेस्टइंडीज ने पहले दो वर्ल्ड कप जीते थे, लेकिन फिर भारत से मिली हार के बाद वेस्टइंडीज का सूरज ऐसे अस्त हुआ कि टीम उसके बाद से वर्ल्ड कप ही नहीं जीत पाई. 2023 वनडे वर्ल्ड कप के लिए तो वेस्टइंडीज क्वालीफाई भी नहीं कर पाई.

डॉ विवेक सिंह परिहार बने मध्यप्रदेश पैरा स्पोर्ट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष

भोपाल। मध्यप्रदेश पैरा स्पोर्ट्स एसोसिएशन ने डॉ विवेक परिहार को मध्य प्रदेश का अध्यक्ष नियुक्त , डॉक्टर विवेक सिंह परिहार ने कहा कि,मध्यप्रदेश में पैरा स्पोर्ट्स की जानकारी काफ़ी कम लोगों को है, इसलिए मध्यप्रदेश के कई जिलों में पैरा स्पोर्ट्स के नवनियुक्त अध्यक्ष नियुक्त जल्द ही किए जाएंगे और संगठन का विस्तार किया जाएगा वहीं उन्होंने बताया कि,2028 में पैरा ओलंपिक होने वाले हैं,जिसको लेकर हमने मध्यप्रदेश में तैयारियां शुरू कर दी है,इसलिए घर गांव, हर जिले,हर कस्बे,से ऐसे होनहार खिलाड़ियों को चुना जाएगा,ताकि खिलाड़ी अपने हुनर से देश एवं प्रदेश का नाम रोशन कर सके, इसलिए समय-समय मध्य प्रदेश के अनेक जिलों में कैंप लगाकर खिलाड़ियों खेल के प्रति जानकारी देंगे परिहार को यह दायित्व मिलने पर उनके इष्ट मित्रों ने एवं खिलाड़ियों ने बधाई दी एवं शुभकामनाएं दी(

एक्सारो टाइल्स लिमिटेड को सालाना लगभग 5.67 करोड़ की ऊर्जा लागत में बचत की उम्मीद

अहमदाबाद, एजेंसी। भारत की अग्रणी विट्रीफाइड और ग्लेज़्ड टाइल्स निर्माता कंपनीएक्सारो टाइल्स लिमिटेड ने गुजरात केगोरल, ईडरमें5 मेगावाटडीसी सौर ऊर्जा परियोजनाकीस्थापना की घोषणा की है। यह परियोजना कंपनी की स्थिरता, परिचालन कुशलता और उत्तरदायी निर्माण के प्रति प्रतिबद्धता को और मजबूत करती है। यह सौर परियोजना 25 वर्ष और 4 महीने की लीज़ पर ली गई भूमि पर स्थापितकी गई है और कंपनी कीतालोद, गुजरात स्थित निर्माण इकाईके लिए कैप्टिव उपयोग हेतु समर्पित है। वर्तमान में यह इकाईप्रति वर्ष लगभग2.1 करोड़ यूनिट बिजलीकी खपत करती है। सौर ऊर्जा के इस उपयोगसे कंपनी कोसालाना 5.67 करोड़तक की संभावित बचत की उम्मीद है,जिससे ऊर्जा लागत में लगभग30 प्रतिशत की कमी होगी।

अमरनाथ यात्रा को स्वच्छ बना रहा स्वाहा

पहलगाम/इंदौर। श्री अमरनाथ यात्रा शुरू हो गई है। अमरनाथ यात्रा श्रद्धा और आस्था का प्रतीक है। श्रद्धा और आस्था में अब स्वच्छता भी जुड़ गया है। अब श्रद्धालु एक नया मंत्र गुनगुना रहे हैं। बोल बम, पर्यावरण को कचरा मुक्त रखेंगे हम। इस पवित्र यात्रा में पर्यावरण और स्वच्छता को जोड़ा है इंदौर के स्टार्टअप स्वाहा ने। जीरो लैंड फिल (कचरा मुक्त) यात्रा की सोच को हकीकत में बदल रहा है स्वाहा। स्वाहा पिछले चार वर्षों से अमरनाथ यात्रा मार्ग को कचरा मुक्त बना रहा है। जम्मू कश्मीर के डायरेक्टरेट ऑफ़ रूरल सैनिटेशन द्वारा यह कार्य स्वाहा को सौंपा गया है ! इस बार यात्रा मार्ग में करीब 550 टन कचरा निकलने का अनुमान है। आरडीडी और पंचायती राज के सेक्रेटरी आईएएस श्री एजाज असद और डायरेक्टरेट ऑफ़ रूरल सनिटेशन की डीजी श्रीमती अनू मल्होत्रा ने बताया कि पिछली कई यात्राओं से यात्री बड़ी संख्या में पहाड़ियों पर टनों से कचरा छोड़ते आ रहे थे।

एसएसआई मंत्रा एम 'मेड इन इंडिया' सर्जिकल रोबोट यात्रा ने शुरू किया अपना भारत दौरा

गुरूग्राम, एजेंसी। भारत के पहले और एकमात्र स्वदेश में विकसित सर्जिकल रोबोटिक सिस्टम एसएसआई मंत्रा के निर्माता एसएस इनोवेशन्स ने आज गुरूग्राम स्थित अपने मुख्यालय से एसएसआई मंत्रा एम 'मेड इन इंडिया' सर्जिकल रोबोट यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रोडशो का उद्घाटन हरियाणा सरकार में उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री श्री राव नारबीर सिंह ने किया। एसएसआई मंत्रा एम सर्जिकल रोबोट यात्रा के साथ भारत ने हेल्थकेयर में एक बदलावकारी यात्रा की शुरूआत की है, जिसके तहत पहली मोबाइल रोबोटिक सर्जरी ट्रेनिंग एवं डेमोन्स्ट्रेशन युनिट का अनावरण भी किया गया। यह आधुनिक 'टेलीसर्जरी-ऑन-व्हील्स' पहल आधुनिक सर्जिकल टेक्नोलॉजी एवं कौशल निर्माण के अवसरों को सीधे देश के अस्पतालों और हेल्थकेयर पेशेवरों तक लेकर आई है।

भारत की सबसे ताकतवर एसयूवी अब सड़कों पर उतरने के लिए तैयार

भोपाल। भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों की क्रांति का नेतृत्व कर रही और देश की प्रमुख एसयूवी निर्माता टाटा मोटर्स ने आज भारत की सबसे ताकतवर, सबसे सक्षम और सबसे स्मार्ट एसयूवी हैरियर.होम का उत्पादन शुरू कर दिया है। यह गाड़ी पूरे गर्व के साथ टाटा मोटर्स के अत्याधुनिक पुणे प्लांट की उत्पादन लाइन से बाहर निकली, जिसने इसका शानदार डेब्यू किया। तेज बुकिंग और जबरदस्त बाजार प्रतिक्रिया के साथ, हैरियर.होम अब देश भर के डीलरशिप पर पहुंचने को तैयार है, और इसकी कस्टमर डिलीवरी जुलाई 2025 से शुरू होगी। हैरियर.होम दो ड्राइव कॉन्फ़िगरेशन में उपलब्ध होगी - क्वाड व्हील ड्राइव और रियर व्हील ड्राइव। यह चार आकर्षक रंगों में आएगी- नैनीताल नॉकटर्न, एम्पावर्ड ऑक्साइड, प्रिस्टिन व्हाइट और प्योर ग्रे।

सेव अर्थ मिशन का वैश्विक विज़न अनावरण

अहमदाबाद, एजेंसी। अहमदाबाद के गिफ्ट सिटी क्लब में आयोजित एक ऐतिहासिक और अभूतपूर्व कार्यक्रम में, सेव अर्थ मिशन – जो दुनिया का सबसे तेज़ी से बढ़ता पर्यावरणीय आंदोलन है – ने अपने ग्लोबल विज़न अभियान का औपचारिक अनावरण किया। इस विज़न का केंद्र बिंदु है- अगस्त 2025 से शुरू होने वाला 60+ देशों में एक साथ चलाया जाने वाला अब तक का सबसे बड़ा वृक्षारोपण अभियान। इस घोषणा को सेव अर्थ मिशन के प्रमुख ग्लोबल विज़न अनवीलिंग कार्यक्रम के दौरान साझा किया गया, जहाँ वैश्विक जलवायु नेता, सरकारी प्रतिनिधि, छात्र, नवप्रवर्तक और पर्यावरणविद एकत्र हुए। इस बहुराष्ट्रीय अभियान का उद्देश्य है – करोड़ों लोगों को तत्काल जलवायु कार्रवाई के लिए एकजुट करना, पेड़ लगाना, पारिस्थितिकी तंत्र को पुनर्जीवित करना और नेट ज़ीरो भविष्य की नींव रखना।

आशीष कचोलिया समर्थितश्री लोटस डेवलपर्स को आईपीओ के लिए सेबी की मंजूरी, 792 करोड़ रुपये जुटाने की योजना

मुंबई, एजेंसी। लोटस डेवलपर्स, जो रियल एस्टेट विकास में एक प्रमुख कंपनी है और जिसे प्रसिद्ध निवेशक आशीष कचोलिया और कई बॉलीवुड कलाकारों का समर्थन प्राप्त है, ने सिक्यूरिटी एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (सेबी) के पास प्रारंभिक शेयर बिक्री के माध्यम से 792 करोड़ रुपये जुटाने के लिए प्रारंभिक दस्तावेज दाखिल किए थे। अब कंपनी को सेबी से अंतिम मंजूरी मिल चुकी है। यह आईपीओ पूरी तरह से फ्रेश इश्यू होगा, जिसमें ऑफर-फॉर-सेल का कोई घटक शामिल नहीं है। सैमसंग ने भारत में अपने 2025 बीस्पोक एआई एप्लायंसेज को लॉन्च किया, नए बीस्पोक एआई लॉन्ड्री कॉम्बो को भी पेश किया। गुरुग्राम, एजेंसी। सैमसंग, भारत के सबसे बड़ेकंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड, ने अपनी 2025 बीस्पोक एआई एप्लायंसेज रेंज को लॉन्च किया है। इसरेंज में चार मुख्य लाभमिलते हैं। इसे इस्तेमाल करना व देखभाल करना बेहदआसान है, ये बचत करने के साथ ही पूरी तरह सुरक्षित हैं। ये उपकरण सैमसंग के नए एआई होम स्क्रीन, बिक्सबी वॉयस असिस्टेंट के साथ बातचीत, सैमसंग नॉक्स सुरक्षा, और स्मार्टथिंग्स कनेक्टिविटी से चलते हैं।

1 अगस्त से बंद हो जाएंगी इंदौर से जोधपुर, उदयपुर और नासिक की डायरेक्ट फ्लाइट्स

इंदौर। इंदौर से राजस्थान के दो बड़े शहरों को जोड़ने वाली फ्लाइट को बंद किया जा रहा है। इससे इसमें यात्रा करने वाले यात्रियों को अब 1 अगस्त से इन शहरों के लिए सीधी उड़ान का फायदा नहीं मिलेगा इसका सबसे बड़ा कारण है यात्रियों की संख्या, बताया जा रहा है कि देवी अहिल्याबाई होलकर एयरपोर्ट से जोधपुर, उदयपुर और नासिक की सीधी उड़ानें बंद होने जा रही हैं। विमान कंपनी ने यात्रियों की कमी को देखते हुए एक अगस्त से इन शहरों की बुकिंग बंद करने का फैसला किया है।

सीधी कनेक्टिविटी टुटने से बढ़ेगी परेशानी

इंदौर के देवी अहिल्याबाई होलकर एयरपोर्ट से अगले माह जोधपुर, उदयपुर और नासिक की सीधी उड़ानों का सफर थम जाएगा। यह निर्णय विमान कंपनी ने यात्रियों की कमी को देखते हुए लिया है लेकिन जो यात्री इन फ्लाइट में लगातार सफर करते है उन्हें परेशानी झेलनी होगी।

राजस्थान की ओर विमान कंपनियों का रुझान कम

बताया जा रहा है कि राजस्थान के कई शहरों के सीधे इंदौर शहर से जोड़ने में विमान कंपनिया भी अधिक उत्साह नहीं दिखाती है क्योकि इस ओर यात्रा करने वाले यात्रियों की कमी है। यह भी बताया जा रहा है कि राजस्थान से उदयपुर और जोधपुर की ओर यात्रा करने वाले अत्यधिक यात्री ट्रेनों और बसों में सफर करने के प्राथमिकता देते है। इसके साथ ही यह दोनो शहर इंदौर से बिजनेस को लेकर अधिक नहीं जुड़े है। इस कारण इस ओर यात्रियों की संख्या कम ही रहती है।

सीधी उड़ानों का समय में बदलाव है आवश्यक

यहीं इंदौर से उदयपुर और जोधपुर की ओर यात्रा करने वाले अधिकत्तर यात्रियों का कहना है कि विमान कंपनियों द्वारा इंदौर से उदयपुर और जोधपुर के लिए उड़ान भरने वाली फ्लाइट का समय भी इसका बहुत बड़ा कारण है क्योकि इन दोनो शहरों के लिए जिस समय पर उड़ाने जाती है वह समय इंदौर से जाने वाले यात्रियों को सुविधाजनक नहीं होता है। यदि विमान कंपनियां सुबह की फ्लाइट शुरू करे जो यात्रियों को सुबह मिल शाम मिल सके तो इन शहरों की ओर यात्रा करने वाले यात्रियों की संख्या बढ़ सकती है।

उदयपुर की ओर हजारों यात्री करते है सफर

उदयपुर और जोधपुर की ओर सफर करने वाले यात्रियों की संख्या हजारों में है। लेकिन इन शहरों में जाने के बाद आगे की ओर टैक्सी की कनेक्टिविटी नहीं मिलती है। इस कारण भी यात्री फ्लाइट से यात्रा करने में दिक्कत महसूस करते है। क्योकि इस ओर यात्रा करने वाले अधिकत्तर यात्री उदयपूर और जोधपुर के आसपास ग्रामीण क्षेत्रों से जुड़े होते है। ऐसे कई कारणों का अध्यन विमान कंपनियां ना करके सीधे फ्लाइड को बंद करने का निर्णय ले रही है। जबकि राजस्थान के शहरों को जोड़ने वाली फ्लाइट की इंदौर में बसने वाले सैकड़ो लोगों को आवश्यकता रहती है।

सावन के महीने से पहले सोना चांदी की कीमतों में उतार चढ़ाव का दौर जारी

भोपाल। सावन के महीने से पहले सोना चांदी की कीमतों में उतार चढ़ाव का दौर जारी है। अगर आप आज 6 जुलाई को सोना या चांदी खरीदने के लिए बाजार जा रहे है तो पहले ताजा भाव जान लीजिए। आज रविवार को सोने के दाम 98000 रुपए और चांदी के भाव 1 लाख पार ट्रेंड कर रहे है। आज रविवार को सराफा बाजार की ओर जारी सोने और चांदी के अनुसार आज 6 जुलाई 2025 को 22 कैरेट सोने के दाम 90,750 , 24 कैरेट का भाव 98, 980 और 18 ग्राम सोने का रेट 74,250 रुपए पर ट्रेंड कर रहे है। वहीं 1 किलो चांदी का रेट 1, 10,000 हजार रुपए चल रहा है।

18 कैरेट सोने का आज का भाव: दिल्ली सराफा बाजार में आज 10 ग्राम सोने की कीमत 74 250/- रुपये। कोलकाता और मुंबई सराफा बाजार में 74, 130/- रुपये। इंदौर और भोपाल में सोने का भाव 74, 170 चल रहा है। चेन्नई सराफा बाजार में कीमत 74, 750/- रुपये पर ट्रेड कर रही है।

22 कैरेट सोने का आज का भाव: भोपाल और इंदौर में आज 10 ग्राम सोने की कीमत 90, 650/- रुपये । जयपुर, लखनऊ, दिल्ली सराफा बाजार में आज 10 ग्राम सोने की कीमत 90,750/- रुपये । हैदराबाद, केरल, कोलकाता, मुंबई सराफा बाजार में 90,600/- रुपये ट्रेंड कर रहा है।

24 कैरेट सोने का आज का भाव: भोपाल और इंदौर में आज 10 ग्राम सोने की कीमत 98,880 रुपये दिल्ली जयपुर लखनऊ और चंडीगढ़ सराफा बाजार में आज 10 ग्राम सोने की कीमत 98,980/- रुपये। हैदराबाद, केरल, बैंगलुरू और मुंबई सराफा बाजार में 98, 830/- रुपये । चेन्नई सराफा बाजार में कीमत 98,830/- रुपये पर ट्रेंड कर रहा है।

निसान ने 6 राज्यों में नई निसान मैग्नाइट के लिए सीएनजी रेट्रोफिटमेंट के दूसरे चरण की शुरुआत की

नईदिल्ली, एजेंसी। निसान मोटर इंडिया ने अपनी लोकप्रिय कॉम्पैक्ट एसयूवी नई निसान मैग्नाइट के लिए सीएनटी रेटोफिटमेंट किट उपलब्ध कराने के दूसरे चरण की शुरुआत का एलान किया। इको फ्रेंडली सीएनजी का विकल्प अब राजस्थान, बिहार, झारखंड, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और तमिलनाडु में निसान की अधिकृत डीलरशिप पर उपलब्ध होगा। पहले चरण में सीएनजी रेट्रोफिटमेंट विकल्प को 7 राज्यों दिल्ली-एनसीआर, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात, केरल और कर्नाटक में उपलब्ध कराया गया था। दूसरे चरण की लॉन्चिंग के साथ अब सीएनजी रेट्रोफिट वैरिएंट देश के 13 राज्यों में उपलब्ध है। कंपनी इसके तीसरे चरण की तैयारी भी कर रही है। निसान मोटर इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर श्री सौरभ वत्स ने कहा नई निसान मैग्नाइट भारत में हमारे विकास को गति देने में लगातार महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है और हम ग्राहकों की जरूरतों के अनुरूप इसकी प्रासंगिकता बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। सीएनजी रेट्रोफिटमेंट किट के दूसरे चरण की शुरुआत स्वच्छ परिवहन की बढ़ती मांग और मैग्नाइट की खूबी से समझौता किए बिना ग्राहकों को भरोसेमंद एवं उच्च गुणवत्ता वाले विकल्प प्रदान करने की हमारी प्रतिबद्धता को दिखाती है। सरकार द्वारा प्रमाणित किट, अधिकृत फिटमेंट और व्यापक डीलर नेटवर्क के साथ इस पहल से मैग्नाइट का वैल्यू प्रपोजिशन बेहतर होगा, साथ ही सुगम एवं पर्यावरण के अनुकूल समाधान को लेकर हमारे फोकस को भी मजबूती मिलेगी। इस किफायती और पर्यावरण के अनुकूल मोबिलिटी सॉल्यूशन को लेकर ग्राहकों की मजबूत मांग को देखते हुए दूसरा चरण शुरू किया गया है। रेट्रो फिटमेंट किट को सरकार द्वारा प्रमाणित थर्ड पार्टी वेंडर मोटोजेन ने डेवलप, मैन्यूफैक्चर और क्वालिटी एश्योर किया है।

ब्लू क्लाउड सॉफटेक सॉल्यूशंस लिमिटेड को मिला 9.36 मिलियन अमेरिकी डॉलर का कोस्टल सर्विलांस प्रोजेक्ट

हैदराबाद, एजेंसी। ब्लू क्लाउड सॉफटेक सॉल्यूशंस लिमिटेड, जो बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध एक अग्रणी वैश्विक टेक्नोलॉजी कंपनी है, ने एक महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। कंपनी को अमेरिका में अपने क्लाइंट के माध्यम से 9.36 मिलियन अमेरिकी डॉलर (लगभग 78 करोड़) का एक बड़ा कोस्टल सर्विलांस प्रोजेक्ट मिला है। यह परियोजना 18 महीनों में पूरी की जाएगी और इसका उद्देश्य दक्षिण अमेरिका के तटीय क्षेत्रों की सुरक्षा को मजबूत बनाना है। इस प्रोजेक्ट के तहत अत्याधुनिक निगरानी प्रणाली विकसित की जाएगी, जिसमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, इंटरनेट ऑफ थिंग्स और क्लाउड टेक्नोलॉजी का उपयोग किया जाएगा।

'डिप्ड इन ब्लैक': नया रेंज रोवर स्पोर्ट एसवी ब्लैक एडीशन, अब मोनोक्रोम ट्रीटमेन्ट के साथ देगा शानदार स्पोर्टिंग लक्ज़री

मुंबई, एजेंसी। 'डिप्ड इन ब्लैक' के रूप में, रेंज रोवर ने आज रेंज रोवर स्पोर्ट एसवी ब्लैक का प्रीव्यू किया, जिसमें उत्कृष्ट फीचर्स और डीटेलिंग के साथ कोई समझौता नहीं किया गया है। शानदार लक्ज़री परफोर्मेन्स देने वाली एसयूवी के रूप में रेंज रोवर की स्पोर्ट एसवी प्रतिष्ठा पर आधारित यह पेशकश 2025 के अंत तक ऑर्डर पर उपलब्ध होगी- जो ऑल ब्लैक लुक के सदाबहार आकर्षण का जश्न मनाती है, जिसके विनिर्देशन पहले से रेंज रोवर स्पोर्ट्स क्लाइंट्स के बीच बेहद लोकप्रिय है। पहली बार पेश की गई विशेष ब्लैक फिनिश के साथ रेंज रोवर एसवी राउंडेल और फ्रंट ग्रिल पर ब्राण्ड बैजेज़ स्टेल्थ-जैसी स्पोर्टिंग लक्ज़री की साहसिक एवं चुनौतीपूर्ण व्याख्या करते प्रतीत होती है।

रेंज रोवर स्पोर्ट एसवी ब्लैक ब्राण्ड के लिए अधिक प्रयोजन उन्मुख कैरेक्टर पर आधारित है। बाहर की ओर हर डीटेल को ग्लॉस ब्लैक फिनिश में बदला गया है, जो अब तक की सबसे पावरफुल रेंज रोवर स्पोर्ट को और भी प्रभावशाली बनाता है।

मार्टिन लिम्पर्ट, ग्लोबल मैनेजिंग डायरेक्टर, रेंज रोवर ने कहा, ''रेंज रोवर स्पोर्ट एसवी ब्लैक, स्पोर्टिंग लक्ज़री का प्रतिनिधित्व करती है; जो अपने आप में बोल्ड स्टेटमेन्ट है।

नथिंग ने भारत में अपना पहला ट्रू फ्लैगशिप - नथिंग फ़ोन (3) और पहला ओवर-ईयर ऑडियो प्रोडक्ट - हेडफ़ोन (1) लॉन्च किया

मुंबई, एजेंसी। लंदन स्थित प्रौद्योगिकी कंपनी नथिंग ने आज भारत में दो श्रेणी-परिभाषित उत्पादों के लॉन्च की घोषणा की - नथिंग फ़ोन (3), इसका पहला ट्रू फ्लैगशिप स्मार्टफ़ोन, और नथिंग हेडफ़ोन (1), इसका पहला ओवर-ईयर ऑडियो उत्पाद है। दोनों उत्पाद इनटेंशनल डिज़ाइन और बोल्ड इनोवेशन के साथ उपभोक्ता तकनीक की पुनर्कल्पना करने के नथिंग के दृष्टिकोण को दर्शाते हैं।

नथिंग फ़ोन (3) स्मार्टफ़ोन परफ़ॉरमेंस और एक्सप्रेशन के एक नए युग की शुरुआत करता है। इसे टेक फ़ील महसूस कराने के लिए डिज़ाइन किया गया है। इसमें प्रो-ग्रेड ट्रिपल कैमरा सिस्टम है, जिसमें रिच लो-लाइट शॉट्स, लॉसलेस ऑप्टिकल ज़ूम और सभी लेंसों में सिनेमैटिक 4के 60एफपीएस वीडियो के लिए क्लास-लीडिंग 1/1.3 मुख्य सेंसर शामिल है, जिसमें पूर्ण ऑप्टिकल इमेज स्टेबिलाइज़ेशन है। अल्ट्रा-नैरो बेज़ेल्स के साथ एक वाइब्रेंट 6.67 एमोलेड़डिस्प्ले और एक शक्तिशाली स्नैपड्रैगन0 8द्य जनरेशन 4 चिपसेट, सभी एक प्रीमियम मॉड्यूलर डिज़ाइन में आते हैं। ग्लिफ़ मैट्रिक्स के साथ, उपयोगकर्ता एक नज़र में महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त कर सकते हैं और फ्लिप टू रिकॉर्ड और ग्लिफ़ खिलौने जैसे मनोरंजक अनुभवों का आनंद ले सकते हैं।

एथर एनर्जी ने 3.7kWh बैटरी पैक के साथ रिज़्टा एस पेश किया, जो 159 किलोमीटर की आइडीसी रेंज प्रदान करता है

मुंबई, एजेंसी। भारत की प्रमुख इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर कंपनी, एथर एनर्जी लिमिटेड ने रिज़्टा फैमिली स्कूटर लाइन-अप का विस्तार करते हुए 3.7 केडब्ल्यूएच बैटरी पैक के साथ नया रिज़्टा एस पेश किया है। नए रिज़्टा एस की आइडीसी रेंज 159 किमी है, इसलिए यह दैनिक आवागमन के लिए उत्तम है। यह आकर्षक मूल्य में ज्यादा रेंज, आराम, गुणवत्ता और विश्वसनीयता प्रदान करता है, जिसके लिए रिज़्टा मशहूर है।

रिज़्टा का लॉन्च 2024 में एथर के पहले पारिवारिक स्कूटर के रूप में किया गया था। यह दैनिक उपयोगिता, स्टोरेज और सुरक्षा के लिए डिज़ाइन किया गया था। आज एथर की कुल सेल में रिज़्टा का योगदान 60 प्रतिशत से अधिक है। लॉन्च के एक साल के भीतर ही इसकी 1 लाख यूनिट्स बिक चुकी हैं। नए 3.7 केडब्ल्यूएच वैरिएंट ने रिज़्टा के पोर्टफोलियो को और अधिक मजबूत कर दिया है। यह लॉन्च होने के बाद परिवारों को किफायती इलेक्ट्रिक स्कूटर्स की ज्यादा बड़ी रेंज मिल रही है। इसके लॉन्च के बाद रिज़्टा लाइनअप में चार वैरिएंट उपलब्ध हैं, जो श्रृङ्क सेगमेंट में सबसे सुविधाजनक, स्मार्ट और सुरक्षित स्कूटरों में शामिल हैं।

एथर एनर्जी लिमिटेड के चीफ बिजनेस ऑफिसर, रवनीत एस. फोकेला ने कहा, ररिज़्टा पूरे देश में परिवारों को बहुत पसंद आया है।

बिरला ओपस पेंट्स ने रंगों के ज़रिए भारतीय विरासतों का दिखाया एक नया अंदाज़

नई दिल्ली, एजेंसी। आदित्य बिरला ग्रुप की ग्रासिम इंडस्ट्रीज़ के अंतर्गत आने वाले बिरला ओपस पेंट्स ने अपने नए ब्रांड कैंपेन 'दुनिया को रंग दो' की शुरुआत की है। दुनिया को रंग दो की सोच पर आधारित यह राष्ट्रीय स्तर की एक भावनात्मक पहल है, जिसकी शुरुआत देश की ऐतिहासिक धरोहर गेटवे ऑफ इंडिया से हुई है। यह कैंपेन बताता है कि रंगों की ताकत न केवल स्मारकों को नया रूप दे सकती है, बल्कि देशभर में गर्व, सौंदर्य और सकारात्मक बदलाव की भावना भी जगा सकती है।

एसआरएम इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी तिरुचिरापल्ली और डसॉल्ट सिस्टम्स ने एडवांस्ड इंजीनियरिंग की शिक्षा

तिरुचिरापल्ली/दिल्ली एजेंसी। भारत में अग्रणी इंजीनियरिंग संस्थानों में से एक एसआरएम इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, तिरुचिरापल्ली और डसॉल्ट सिस्टम्स ने एक सहयोगी पारिस्थिकी तंत्र को बढ़ावा देने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया है। यह तंत्र इंजीनियरिंग नवप्रवर्तन को बढ़ावा देगा, कौशल विकास करेगा, स्टार्टअप इनक्यूबेशन करेगा और स्थानीय अनुसंधान को बढ़ावा देगा। इस गठबंधन का लक्ष्य डसॉल्ट सिस्टम्स के 3जी एक्सपीरियंस प्लेटफॉर्म और टेक्नोलॉजी विशेषज्ञता का उपयोग विद्यार्थियों, शिक्षकों और शुरुआती चरण के उद्यमियों को उद्योग प्रासंगिक डिजिटल कौशल और एप्लीकेशंस से युक्त करना है।

आपसी विवाद को राजनीतिक रंग देने को कोशिश कर रहा है विपक्षः कमलेश शाह

छिंदवाड़ा। हर्रई के ग्राम तुईयापानी 29 मई की रात में हुए आपसी लेनदेन के विवाद को विपक्ष के नेताओं द्वारा राजनीतिक रंग देने पर अमरवाड़ा विधायक कमलेश शाह एवं भाजपा नेताओं द्वारा आड़े हाथ लेते हुए उस रात को घटित घटना की वास्तविकता से सभी को अवगत करवाया। पीड़ित की शिकायत पर 9 आरोपियों के विरुद्ध एफ आई आर दर्ज की जा चुकी है जिसमें से 7 आरोपी गिरफ्तार किए जा चुके है और पुलिस 2 आरोपी की तलाश कर रही है। अमरवाड़ा विधायक राजा कमलेश शाह ने कहा कि राष्ट्रीय राजमार्ग तुईयापानी में 29 मई की रात में दो पक्षों में आपसी लेन देन को लेकर विवाद हुआ, जिसके संबंध में पीड़ित पक्ष द्वारा 30 मई को पुलिस थाना हर्रई में मारपीट की शिकायत भी दर्ज करवाई गई थी। पुलिस थाना हर्रई द्वारा पीड़ितों की शिकायत पर आरोपियों के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की धारा 296, 115(2), 351(3), 3(5) के साथ अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति अधिनियम की धाराओं में प्रकरण दर्ज कर लिया गया है। श्री शाह ने कहा कि इस आपसी लेनदेन के विवाद को विपक्ष के नेताओं द्वारा राजनीतिक रंग देते हुए घटना को झूठ बोलकर और बढ़ा चढ़ाकर प्रदर्शित किया जाकर शांतिपूर्ण जिले का सांप्रदायिक सौहाद्र बिगाड़ने को कोशिश करते हुए राजनीतिक लाभ लेने का प्रयास किया जा रहा है। श्री शाह ने कहा कि मैं लगातार पुलिस अधिकारियों के संपर्क में हूं और मामले पर नजर बनाए हुए हूं।

सांसद ने दो मरीजों को दिलाई 70 हजार की आर्थिक सहायता

छिंदवाड़ा। सांसद बंटी विवेक साहू के निवेदन पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अपनी स्वेच्छानुदान निधि से छिन्दवाड़ा के निवासी दो मरीजों को अपनी स्वेच्छानुदान निधि से 70 हजार की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की है। विदित हो कि सांसद श्री साहू 26 जून से 14 दिवसीय छिन्दवाड़ा से खंडवा तक की 411 किलोमीटर की पदयात्रा कर रहे है। अपनी पदयात्रा की व्यस्तता के बाद भी सांसद श्री साहू सेवा कार्य में लगे हुए है। सांसद श्री साहू को जानकारी मिली थी कि आर्थिक रूप से कमजोर दो मरीजों का आर्थिक तंगी के कारण उचित इलाज नही हो पा रहा है। जिसे गंभीरता से लेते हुए उन्होंने अपनी पदयात्रा के दौरान ही दोनो मरीजों के आवेदनों पर अपनी सहमती जताते हुए मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव को पत्र भेजते हुए उनसे मरीजों को बीमारी के लिए आर्थिक सहायता स्वीकृत करने का निवेदन किया था। जिसके आधार पर मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने उनकी स्वेच्छानुदान निधि से दोनो मरीजों को 70 हजार की आर्थिक सहायता दी है। उक्त सहायता मिलने से दोनों मरीजों का अस्पतालों में बेहतर ईलाज हो सकेगा।

राज्य के बीएलओ का विधानसभावार प्रशिक्षण 7 से 17 तक

छिन्दवाड़ा। संयुक्त कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी छिंदवाड़ा ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार राज्य के बीएलओ को विधानसभावार प्रशिक्षण 07 जुलाई 2025 से 17 जुलाई 2025 तक दिया जाना है। विधानसभा स्तर पर होने वाले बीएलओ एवं बीएलओ सुपरवाईजर के प्रशिक्षण के संबंध में निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, राज्य स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स, जिला स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स एवं विधानसभा स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स की आज 05 जुलाई 2025 को वीडियो कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई। वीडियो कॉफ्रेंस प्रशिक्षण के संबंध में विस्तृत मार्गदर्शन प्रदान किया गया। इसके संबंध में मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय सहित छिन्दवाडा से सहायक प्राध्यापक पी.जी. कॉलेज छिन्दवाडा डॉ.पी.एन.सनेसर द्वारा प्रदेशस्तर के उपरोक्त अधिकारियों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

शा.बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में एक पेड़ माँ के नाम अभियान के अंतर्गत किया पौधरोपण

छिन्दवाड़ा। कलेक्टर शीलेन्द्र सिंह के निर्देशानुसार जिला शिक्षा अधिकारी श्री जी.एस.बघेल के मार्गदर्शन एवं प्रभारी प्राचार्य श्री गोविंद सिंह महड़ोले के नेतृत्व में शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय चाँद में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधारोपण किया गया। राज्यपाल पुरुस्कृत शिक्षक व कार्यक्रम प्रभारी श्री राकेश कुमार मालवीय ने बताया कि आज शनिवार के दिन गुलाब वाटिका में श्रमदान कर खरपतवार का उन्मूलन किया गया और प्रांगण में पीपल, पुत्रणजीवा, सिल्वर ओक, जामुन के पौधों का रोपण कर सुरक्षा का संकल्प लिया गया। श्रमदान में शिक्षक श्री अरसद खान, श्री दौलत वर्मा, श्री पवन सिंह उइके, छात्र कुलदीप यादव व नवींन यादव ने भाग लिया।

35 बाल वैज्ञानिक राज्य स्तर पर चयनित

कलेक्टर ने किया सम्मानित इंस्पायर अवार्ड मेले में 334 मॉडलों की प्रदर्शनी

छिंदवाड़ा। जिले में आयोजित दो दिवसीय इंस्पायर अवार्ड प्रदर्शनी का समापन हुआ उत्कृष्ट विद्यालय परिसर में आयोजित इस विज्ञान मेले में छिंदवाड़ा पांढुर्ना क्षेत्र के छात्र छात्राओं ने भाग लिया इसमें कलेक्टर शीलेन्द्र सिंह ने विशेष रूप से उपस्थित होकर बाल वैज्ञानिकों के मॉडलों का अवलोकन किया और चयनित विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। इस मेले में 416 मॉडलों के लिए छात्रा का पंजीयन हुआ था जिसमें से 342 मॉडल प्रदर्शनी में शामिल हुए। दिल्ली से आई राष्ट्रीय नव प्रवर्तन प्रतिष्ठान एनआईएफ की टीम ने इन मॉडलों का मूल्यांकन किया जिसमें से 35 मॉडल राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयनित किए गए। अब ये छात्र भोपाल में आयोजित होने वाली राज्य स्तरीय इंस्पायर अवार्ड प्रतियोगिता में भाग लेंगे।

कलेक्टर ने किया टॉप छात्रों का सम्मान

कलेक्टर ने कार्यक्रम के दौरान मंच से विज्ञान प्रदर्शनी में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले टॉप 5 छात्रों को विशेष प्रशंसा पत्र प्रदान किया ये छात्र पूर्व कहार, प्रियांशु धुर्वे, गार्गी गुर्दे, रानी डोल, दृष्टि सरेयाम हैं। कलेक्टर श्री सिंह ने विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि छिंदवाड़ा के छात्रों में अपार प्रतिभा है राज्य स्तर पर चयन के बाद यदि वे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंच तक पहुंचते हैं तो यह जिले के लिए गर्व की बात होगी। जिले के इस होनहारों को पूरा सहयोग मिलेगा। कार्यक्रम में जिला पंचायत सीईओ अग्रिम कुमार, संयुक्त कलेक्टर अंकिता त्रिपाठी, जिला शिक्षा अधिकारी जीएस बघेल, उत्कृष्ट विद्यालय के प्राचार्य अवदूत काले सहित स्कूल शिक्षक गण उपस्थित थे।

शासकीय आई.टी.आई. छिंदवाड़ा में प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन 7 को

छिन्दवाड़ा। शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था छिन्दवाड़ा में 07 जुलाई 2025 को मारूति सुजुकी इंडिया लिमिटेड द्वारा एफटीसी के लिये आईटीआई उत्तीर्ण केवल पुरूष प्रशिक्षणार्थियों के लिये प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया गया। शासकीय आईटीआई छिंदवाड़ा के नोडल प्राचार्य ने बताया कि शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था छिन्दवाड़ा में 07 जुलाई 2025 को मारूति सुजुकी इंडिया लिमिटेड द्वारा एफटीसी के लिये आईटीआई उत्तीर्ण केवल पुरूष प्रशिक्षणार्थियों के लिये आई.टी.आई. पास फिटर, डीजल मैकेनिक, मोटर मैकेनिक, टर्नर, मशीनिष्ट, ग्राइंडर, वेल्डर, ट्रेक्टर मैकेनिक आदि के लिये केवल पुरूष प्रशिक्षणार्थी जिनकी उम्र 18 से 26 वर्ष हो भाग ले सकते हैं। चयनित प्रशिक्षणार्थी का जॉब लोकेशन खरखोड़ा हरियाणा रहेगा तथा वेतनमान 28000 रूपये प्रति माह रहेगा। इच्छुक अभ्यर्थी प्रातः 10 बजे तक अपने सभी दस्तावेजों की फोटोकॉपी के साथ निर्धारित संस्था में उपस्थित हो सकते हैं।

संतों के सानिध्य में आज निकलेगी दिंडी यात्रा

छिंदवाड़ा। परमात्मा की असीम कृपा से भगवान विठ्ठल रुक्मणि के चरणों मे अर्पित की जाने वाली भव्य एवं दिव्य दिंडी यात्रा धर्म नगरी छिंदवाड़ा में निकाली जाएगी।

दिंडी यात्रा के संयोजक आनंद बक्षी ने बताया कि संत गजानन गुणगान मंडल,सच्चिदानंद सेवा समिति एवं समग्र मराठी समाज द्वारा आषाढ़ी एकादशी देवशयनी ग्यारस के पावन पर्व पर दिंडी यात्रा आयोजित की गई है। दिनांक 6 जुलाई दिन रविवार को प्रातः 7.30 बजे भगवान गणेश भगवान विठ्ठल रुक्मणि एवं देवी देवताओं का वैदिक मंत्रोच्चार से पंडित किशोर तातेकर द्वारा अभिषेक किया जाएगा।

आनंद बक्षी ने बताया कि प्रातः 11 बजे श्री शिरडी साई मंदिर विवेकानंद कॉलोनी में दिंडीयों का एकत्रीकरण होगा,दोपहर 12 बजे महामंडलेश्वर डॉ दादू महाराज, महामंडलेश्वर डॉ वैभव अलौनी, ह.भ.प. चिंतामन गुरवे जी के परम सानिध्य में दिंडीया शिव गजानन मंदिर की ओर प्रस्थान करेगी। शिव गजानन मंदिर में संतो के प्रवचन होंगे, यह उल्लेखनीय है कि दिंडी यात्रा में समस्त पुरुष भक्त सफेद वस्त्रों में एवं मातृशक्ति लाल वस्त्र धारण कर उपस्थित होंगी।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विश्वनाथ ओकते, विजय चौरे, नाना मोहोड़, अजय चौरे, संदीप मोहोड़, जयदेव राउत, रमेश पोफली, कांता योगेश सदारंग,विजय गावंडे सभी जनप्रतिनिधिगण विभिन्न समाजों के जिला अध्यक्षगण, नगर निगम के पार्षदगण, मंडलो के अध्यक्ष एवं पंचायतों के प्रतिनिधि विशिष्ट अतिथि रहेंगे।

क्लब अध्यक्ष रोटे विनोद तिवारी एवं सचिव रोटे निलेश गुप्ता को रोटरी कॉलर पहनाकर सौपा पदभार

छिंदवाड़ा। रोटरी क्लब ऑफ छिंदवाड़ा का इंस्टालेशन सेरेमनी 4 जुलाई को होटल देव में नवीन पदाधिकारीयो के पदभार ग्रहण के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में रोटरी क्लब 3040 के डी जी एन रोटे मुकेश साहू के मुख्य आतिथ्य में एवम गेस्ट ऑफ ऑनर राजा शंकर शाह विश्व विद्यालय के वाइस चांसलर प्रोफेसर इंद्रा प्रसाद त्रिपाठी व विशेष अतिथि ए के एस रोटे प्रीति साहू,इंस्टालेशन ऑफिसर ए जी रोटे सीए राजेश साहू,विशेष अतिथि रीजनल कोडिनेट रोटे अर्पित नेमा की उपस्थिति में रोटरी क्लब के अध्यक्ष के रूप में रोटे विनोद तिवारी को कालर पहनाकर पदभार ग्रहण करवाया गया। वही सचिव के रूप में रोटे निलेश गुप्ता को कॉलर पहनाकर सचिव का दायित्व सौप गया।इस अवसर पर पूर्व अध्यक्ष रोटे दीपक खंडेलवाल एवम सचिव आशीष जैन ने अपने कार्यकाल के लिए कार्यों की विस्तृत जानकारी प्रदान कर नए नए पदाधिकारीयो को बधाई दी एवम पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया।उन्होंने अपने कार्यकाल में सक्रिय योगदान के लिए रोटेरियन साथियों को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया।नवनिर्वाचित रोटरी क्लब अध्यक्ष रोटे विनोद तिवारी ने अपनी नई टीम के साथ वर्ष भर किए जाने वाले अपने ड्रीम प्रोजेक्ट की जानकारी दी एवम कहा की सभी रोटेरियन साथियों के साथ साथ सभी सामाजिक संस्थाओ के साथ सेवा भावी कार्य करते हुए इस वर्ष की थीम यूनाइट फॉर गुड को साकार करते हुए उड़ान भरने का कार्य करेगे साथ ही शिक्षा,स्वास्थ, स्वच्छता पर्यावरण,जल संरक्षण सहित हैप्पी स्कूल,मेंबरशिप ग्रोथ, रायला प्रोजेक्ट,फेलोशिप रक्तदान बालिका शिक्षा,सहित रोटरी क्लब के मूल उदेश्यो पर आधारित कार्य करते हुए सेवा भावी कार्य करने का विश्वास दिलाया।

उन्होंने बच्चो के लिए केरियर काउंसलिंग के लिए अनुभवी काउंसलर एवम युवाओं के लिए रोजगार मुखी शिक्षा को अपना सिग्नेचर प्रोजेक्ट बताया।मंच से उन्होंने नए रोटेक्टर क्लब की घोषणा करते हुए सभी नए मेंबर्स का परिचय करवाया। साथ ही शीघ्र इनट्रेक्ट क्लब बनाने की बात कही। रोटरी क्लब में नए रोटरी मेंबर्स के रूप में प्रतीक मक्कड़ को मुख्य अतिथि रोटे मुकेश साहू जी ने रोटरी पिन लगाकर रोटरी क्लब की मेंबरशिप प्रदान कर रोटरी परिवार में शामिल किया। वही राजा शंकर शाह विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो इंद्रा प्रसाद त्रिपाठी सर को रोटरी पिन लगाकर ऑनररी मेंबरशिप प्रदान की गई।

अमरवाड़ा में एक पेड़ मां के नाम के तहत हुआ पौधरोपण

अमरवाड़ा। नगर भाजपा मण्डल अमरवाड़ा के द्वारा शनिवार को मंडी प्रांगण में हरियाली महोत्सव के तहत एक पौधा मां के नाम का संदेश देकर पौधा रोपण किया गया। इस दौरान जिला भाजपा अध्यक्ष शेषराव यादव ने अधिक से अधिक पौधे लगाने और प्रकृति को हरा भरा बनाने का संकल्प दिलाया व सभी से अपनी अपनी माँ के नाम से पेड़ लगाने की अपील की। नगर मण्डल अध्यक्ष सचिन गोल्डी नेमा ने सभी का आभार प्रदर्शन किया। इस अवसर पर जिला भाजपा अध्यक्ष शेषराव यादव, उत्तम ठाकुर, मोनिका बट्टी, नपा अध्यक्ष प्रीती तिवारी,योगेंद्र राणा, विजय पांडे, धर्मेंद्र मिगलानी, शंटी बेदी,अमरवाड़ा भाजपा मण्डल अध्यक्ष सचिन गोल्डी नेमा, दीपक नेमा, नितिन तिवारी, विनोद चौरसिया, देवेंद्र जैन, प्रहलाद सूर्यवंशी, महामंत्री आशु चचड़ा, मण्डल उपाध्यक्ष सूरज ठाकुर, राजू सराठे, सचिन जैन, अमित नेमा, सुदेश नगवंशी, अर्पित लाला, मुकेश सूर्यवंशी, मोनू चौरसिया, आरीफ शाह,मंडी सचिव आरएस गुमास्ता आदि उपस्थित रहे।

आदिवासी से मारपीट के मामले में निष्पक्ष जांच की रखी मांग

जिला कांग्रेस कमेटी के प्रतिनिधि मंडल ने सौंपा ज्ञापन, कांग्रेस आदिवासी भाइयों पर हो रहे अत्याचार को बर्दाश्त नहीं करेगी

छिन्दवाड़ा: जिला कांग्रेस कमेटी के प्रतिनिधि मंडल ने पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन प्रस्तुत कर अमरवाड़ा विधानसभा क्षेत्र के हर्रई में आदिवासी युवक के साथ हुई मारपीट व घिनौने कृत्य बेहद निंदनीय है। इस घटना ने सम्पूर्ण मप्र ही नहीं बल्कि देश में छिन्दवाड़ा की छवि को धुमिल करने का कार्य किया है। मप्र के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ एवं जिले के पूर्व सांसद माननीय नकुलनाथ के कार्यकाल में ऐसी घटना कभी घटित नहीं हुई। उस दौर में पुलिस की सख्ती व सक्रियता साफ नजर आती थी, किन्तु वर्तमान में पुलिस अपराध रोकने में असफल है, क्योंकि जिले के सम्पूर्ण थानों व चौकियों में पुलिस अपने मूल कार्यों से इतर अन्य कार्यों में अत्याधिक शामिल है।

छिन्दवाड़ा-पांढुर्ना संसदीय क्षेत्र में लगातार आदिवासी समाज के लोगों पर खासकर आदिवासी भाइयों पर अत्याचार हो रहे हैं। आए दिन हो रही आपराधिक वारदातों को रोकने में प्रशासनिक तंत्र पूरी तरह विफल है या फिर अपराध में लिप्त गुंडे-बदमाशों को संरक्षण दिया जा रहा जिसके चलते अपराधियों के हौसले बुलंद है। हर्रई में आदिवासी भाई के साथ हुई जघन्य मारपीट की वारदात के पूर्व पांढुर्ना में एक आदिवासी भाई की निर्मम हत्या कर दी गई। वारदात के आरोपी आज भी पुलिस गिरफ्त से बाहर है और पीड़ित परिवार न्याय की गुहार लगा रहा, किन्तु शासन और प्रशासन पूरी तरह से मौन है। कांग्रेस पीड़ित परिवार के साथ खड़ी है। कांग्रेस के प्रतिनिधि मंडल ने पुलिस अधीक्षक से खुल व साफ शब्दों में कहा कि छिन्दवाड़ा-पांढुर्ना संसदीय क्षेत्र में आदिवासी समाज पर हो रहे अत्याचार को कांग्रेस बर्दाश्त नहीं करेगी। अगर समय रहते प्रशासनिक तंत्र ने उचित कार्रवाई प्रारंभ नहीं की तो कांग्रेस रणनीति बनाकर आदिवासी भाइयों की रक्षा के लिए अगला ठोस कदम उठाएगी।

जिला कांग्रेस कमेटी के प्रतिनिधि मंडल द्वारा प्रस्तुत ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि दिनांक 29 जून 2025 को ग्राम कुईयापानी में आदिवासी युवक के साथ मारपीट की गई जिसकी शिकायत हर्रई पुलिस थाना में दर्ज कराई गई है। पुलिस द्वारा मारपीट करने वालों को गिरफ्तार भी किया गया परन्तु घटना के दूसरे दिन आदिवासी युवक के साथ अनैतिक कार्य की घटना भी सामने आई। एक आडियो में विधायक प्रतिनिधि द्वारा स्वयं स्वीकार किया गया है कि इस घटना को उसके द्वारा ही इस मामले में तुल दिया गया है। जिला कांग्रेस के प्रतिनिधि मंडल ने उक्त घटना की निष्पक्ष जांच कर उचित कार्रवाई के लिए मांग की है।

ज्ञापन प्रस्तुत करते समय जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष विश्वनाथ ओकटे, पांढुर्ना जिला प्रभारी गंगाप्रसाद तिवारी, अजय मैद,राजीव तिवारी, राजकुमार मिश्रा व शिव सिरसाम उपस्थित रहे।

कमलनाथ ने दी लाखों रुपए के विकास कार्यों की सौगात

विधानसभा क्षेत्र में होंगे अनेकों विकास के कार्य

छिन्दवाड़ा। मप्र के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने लाखों रुपए के विकास कार्यों की सौगात दी है। छिन्दवाड़ा विधानसभा क्षेत्र में विभिन्न कार्यों के निर्माण हेतु प्रशासनिक स्वीकृति मिल चुकी है। उक्त राशि से सभागृह, गेट निर्माण, बाउंड्रीवाल व पानी के टेंकर प्रदान किए जाएंगे। प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं छिन्दवाड़ा विधानसभा से विधायक कमलनाथ द्वारा अनुशंसित खनिज मद के विकास कार्यों को स्वीकृति मिल चुकी है। छिन्दवाड़ा विधानसभा में 63 लाख 50 हजार रुपयों की राशि से 26 कार्य पूर्ण होंगे जिससे क्षेत्र की जनता सीधी लाभांवित होगी। माननीय कमलनाथ जी द्वारा प्रदान की गई राशि से सभागृह, स्वागत गेट, बाउंड्रीवाल, पानी टेंकर, पुल, प्रार्थना भवन, बोरवेल, रंगमंच, सामुदायिक भवन, सीसी रोड, टीन शेड निर्माण, कलामंच व रोड सौंदर्यीकरण सहित अन्य कार्य सम्मिलित है। कमलनाथ के द्वारा प्रदान किए गए खनिज मद की राशि से ग्राम बीजेपानी मोक्षधाम में सभागृह निर्माण हेतु 250000, ग्राम भानादेही में स्वागत गेट निर्माण हेतु 100000, ग्राम माल्हनवाड़ा में मोक्षधाम में बाउंड्रीवाल निर्माण हेतु 250000, ग्राम कोटलबर्री में पेयजल हेतु पानी का टेंकर 150000 रुपए, ग्राम पिपरिया बीरसा में शासकीय पुल के समीप रिटर्निंग वॉल निर्माण हेतु 450000, ग्राम नवेगांव के मोक्षधाम में प्रार्थना भवन निर्माण हेतु 100000 हजार रुपयों की राशि प्रदान की गई है। ग्राम ककई में पंचायत भवन में बाउंड्रीवाल निर्माण हेतु 250000, सीमेंट रोड निर्माण चन्द्रवंशी के घर से नल जल योजना के बोरबेल तक ग्राम थावरीटेका 200000, देवीरंगमंच के पास बाउंड्रीवाल निर्माण ग्राम डागावानी पिपरिया 250000, देवी मंदिर हेतु रंगमंच निर्माण ग्राम पखाडिया 100000, दयैत बाबा में रंगमंच निर्माण हेतु 100000, माता मंदिर चौक के पास सामुदायिक भवन निर्माण ग्राम रामगढ़ी में 400000, आंगनबाड़ी भवन की बाउंड्रीवाल निर्माण ग्राम जमुनिया 250000, 100 मी सीसी रोड निर्माण ग्राम झिरलिंगा उमेन्द्र सिंह ठाकुर के घर से नदी तक 200000, ग्राम नेर में आदिवासी सामुदायिक भवन निर्माण 400000, टीन शेड निर्माण ग्राम कुहिया माता मंदिर के सामने 100000, सामुदायिक भवन निर्माण ग्राम सलैया 400000, सामुदायिक भवन निर्माण ग्राम सांख 400000, सीमेंन्ट रोड निर्माण 1.50 मी ग्राम उभेगांव संतराम के घर से मनेश वानखेडे के घर तक 200000, सामुदायिक भवन निर्माण ग्राम खापाकला स्व. रामजी पटेल पूर्व जनपद अध्यक्ष की स्मृति में 400000, माता मंदिर कलामंच निर्माण धगडिया 150000, ग्राम काराघाट में 100 मी. सीसी रोड निर्माण 200000, ग्राम कपरवाड़ी के बाजार चौक में फर्शीकरण कार्य हेतु 300000, शहरी स्वास्थ्य केन्द्र के सामने बाउन्ड्रीवाल निर्माण, वार्ड 21 सुक्लुढ़ाना छिन्दवाड़ा में 250000 रुपए, वार्ड क्रमांक 39 में शुक्ला ग्राउंड नर्सरी के पास सौंदर्यीकरण एवं विकास कार्य हेतु 250000 एवं वार्ड क्रमांक 39 में बड़वन रोड के सौंदर्यीकरण कार्य हेतु 250000 रुपए की राशि प्रदान की गई है। कमलनाथ ने अपनी विधायक निधि के खनिज मद से 63 लाख 50 हजार रुपए के निर्माण कार्यों की मंजूरी दी है। उक्त राशि से छिन्दवाड़ा विधानसभा क्षेत्र में अविलम्ब विकास के कार्य पूर्ण होंगे।

आशापुर के घने जंगल और भारी बारिश भी नहीं तोड़ सकी दादा भक्तों के हौसले

छिन्दवाड़ा। छिन्दवाड़ा से होकर पांढुर्णा और बैतूल होते हुए सांसद बंटी विवेक साहू पिछले 10 दिनों से दादा भक्तों के साथ खंडवा तक की पदयात्रा कर रहे हैं। इस दौरान कई स्थानों पर हुई बारिश और बैतूल के आगे और खंडवा के पहले पड़ने वाले आशापुर के घने जंगल और भारी बारिश भी सांसद श्री साहू और दादा भक्त पदयात्रियों के हौसलों को तोड़ नहीं सकी है। बैतूल के आगे आशापुर तक घना जंगल है, इस मार्ग पर यात्रा के दौरान छोटे-छोटे गांव और कस्बे पड़ते है। इस मार्ग में कई जगह तो मोबाईल का नेटवर्क भी नहीं है। बारिश और आंधी तूफान के इस मौसम में रात्रि विश्राम के दौरान कुछ जगह पर कई-कई घंटों तक लाईट भी नहीं रहती है। इन तमाम परेशानियों के बावजूद सांसद श्री साहू और दादा भक्त पदयात्री दादाजी धुनीवाले के भजनों और सुमधुर गीतों के बीच दादाजी धुनीवाले की भक्ति में लीन होकर लगातार अपनी पदयात्रा जारी रखे है।

अधीक्षण अभियंता ने किया सावरी वितरण केंद्र एवं उपकेन्द्रों का औचक निरीक्षण

छिन्दवाड़ा। म.प्र.पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी छिंदवाड़ा के अधीक्षण अभियंता खुशियाल शिववंशी द्वारा वितरण केंद्र सावरी तथा 33/11 के.वी. उपकेंद्र सावरी, लावाघोगरी एवं मुजावर का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान सावरी वितरण केंद्र में कनिष्ठ अभियंता द्वारा किए जा रहे कार्यों की समीक्षा की गई। कृषि पंप, घरेलू एवं गैर-घरेलू विद्युत कनेक्शनों में लंबित बकाया पर शत-प्रतिशत वसूली सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। अधीक्षण अभियंता श्री शिववंशी ने उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति, फीडरों में ट्रिपिंग की समस्या को कम करने, उपकेन्द्रों की सफाई व्यवस्था बनाए रखने तथा सबस्टेशन में ऑपरेटर को प्रतिदिन 8 घंटे की नियमित ड्यूटी देने पर विशेष जोर दिया। उपकेंद्र सावरी में साफ-सफाई की स्थिति ठीक नहीं पाई जाने पर उन्होंने नाराजगी जताई और तत्काल सुधार के निर्देश दिए। निरीक्षण में लॉगबुक, ट्रिपिंग रजिस्टर, परमिट बुक का भी अवलोकन कर उन्हें निर्धारित प्रारूप में संधारित करने को कहा गया।

लावाघोगरी उपकेंद्र में बंद व खराब व्हीसीबी को शीघ्र सुधारने के लिये एसटीसी-एसटीएम संभाग को निर्देशित किया गया। वहीं मुजावर उपकेंद्र में स्वच्छता व्यवस्था बेहतर पाए जाने पर उन्होंने संतोष व्यक्त किया। निरीक्षण के दौरान सुरक्षा उपकरणों की जांच तथा वितरण केंद्र के रिकॉर्ड, 1912 एवं सीएम हेल्पलाइन से प्राप्त शिकायतों की भी समीक्षा की गई। नए कनेक्शन, विजिलेंस चेकिंग और राजस्व संग्रहण की प्रगति अल्प पाए जाने पर अधीक्षण अभियंता ने गहरी नाराजगी व्यक्त की। अंत में, उन्होंने ग्राम छीपानाला के उपभोक्ताओं से विद्युत आपूर्ति की स्थिति की जानकारी ली, जिस पर उपभोक्ताओं ने संतोष व्यक्त किया।

सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग छिन्दवाड़ा द्वारा ली गई सभी बीईओ एवं बीआरसी की बैठक

छिन्दवाड़ा। सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग छिन्दवाड़ा द्वारा आज कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में सभी बीईओ एवं बीआरसी की बैठक ली गई। धरती आबा उत्कृष्ट ग्राम अभियान के अंतर्गत आईईसी कैंपेनिंग को सभी विकासखंडों के स्कूलों के माध्यम से जनजातीय वर्ग की आधारभूत सुविधाओं के बारे में जागरूकता फैलाने एवं जनजातीय समुदाय के आधार कार्ड, आयुष्मान भारत कार्ड, जाति प्रमाणपत्र, पीएम किसान सम्मान निधि आदि मूलभूत सुविधाओं का सेचुरेशन किये जाने संबंधी बैठक ली गई। साथ ही भारत सरकार के निर्देशानुसार सभी अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति वर्ग के कक्षा 9वीं से महाविद्यालयीन स्तर के छात्र/छात्राओं का ओटीआर से रजिस्ट्रेशन किये जाने की सम्पूर्ण जानकारी दी गई।

बैठक में सहायक संचालक श्री उमेश कुमार सातनकर, क्षेत्र संयोजक श्री मनीष बोरकर सहित सभी विकासखंडों के विकासखंड शिक्षा अधिकारी एवं विकासखंड स्त्रोत समन्वयक उपस्थित थे।

समीक्षा तिवारी,अद्वैत गुप्ता, प्रगन अग्रवाल पहली बार रक्तदान कर दिया साहस का परिचय

छिंदवाड़ा। रक्तदान करने का जज्बा बारिश में भी देखते ही बनता था। रोटरी क्लब के रक्तदानियो के कदम बारिश ने भी नही रोक पाए।।मौका था रोटरी क्लब ऑफ छिंदवाड़ा द्वारा अपनी नई टीम के द्वारा सेवाभावी कार्यों की शुरुआत एक जुलाई को रक्तदान महादान से करते हुए जिला चिकित्सालय के ब्लड बैंक में पहुंच कर रक्तदान किया।रोटरी क्लब छिंदवाड़ा के अध्यक्ष विनोद तिवारी सचिव निलेश गुप्ता ,कोषाध्यक्ष रूपल अग्रवाल ने अपनी टीम के साथ रक्तदान जैसे पवित्र कार्य के लिए सुबह 9 बजे से रोटरी मेगा ब्लड डोनेट कैंप में रक्तदान कर सेवा की मिशाल पेश की।रक्तदान शिविर में सीएमएचओ डाक्टर नरेश गुन्नारे, रोटेरियन रीजनल कोडिनेटर रोटे.अर्पित नेमा, क्लब के पदाधिकारी रोटे,संदीप सिंह चंदेल, रोटे दीपक खंडेलवाल, रोटे.मनोज अग्रवाल,रोटे अरविंद अग्रवाल, रोटे,पंकज अग्रवाल,रोटे, विनीत पाटोदी, रोटे नंदकिशोर डोडानी सोभित मिगलानी, युवराज अल्दाक, अमित मक्कड़ सहित बड़ी संख्या में रोटेरियन एवम समाजसेवियों ने रक्तदान किया। इस अवसर पर रोटरी क्लब के अध्यक्ष विनोद तिवारी ने कहा की हम सभी रोटरी साथियों को रक्तदान महादान जैसे पवित्र कार्य करने का जो आज सुअवसर मिला है इसके लिए हम ईश्वर का शुक्रिया करते है आज रोटरी क्लब सदस्यो एवम उनके द्वारा मोटिवेट कर अन्य रक्तदानियो से रक्तदान करवाकर सेवा की मिशाल पेश की है। आज दोपहर तक लगभग 60 यूनिट रक्तदान किया गया है। और आगे भी और रक्तदानी लोग आने की संभावना है डिस्ट्रिक गवर्नर सुशील मल्होत्रा के आवाह्न पर नए सत्र की शुरुआत की गई है।

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व विधायक हेमंत खंडेलवाल ने बैतूल प्रवास के दौरान नर्मदापुरम में पुण्यदायिनी और मध्यप्रदेश की जीवनदायिनी माँ नर्मदा जी का पूजन-अर्चन कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

भोपाल के नेमीनाथ दिगंबर जैन मंदिर में कलश स्थापना:कोलार में शोभायात्रा का आयोजन हुआ, सैकड़ों श्रद्धालु रहे मौजूद

भोपाल। रविवार को भोपाल में करोंद के श्री 1008 नेमीनाथ दिगंबर जैन मंदिर, नेमीनगर में 18वें संस्कारमय पावन वर्षायोग का शुभारंभ भव्य मंगल कलश स्थापना समारोह के साथ हुआ।वहीं, कोलार क्षेत्र में गणिनी प्रमुख 105 विज्ञा श्री माताजी ससंघ के पावन आगमन पर मंगल अगवानी शोभायात्रा का आयोजन किया गया।

प्रातः 7 बजे शुरू हुए कार्यक्रम में मुनिश्री 108 संस्कार सागर, मुनिश्री 108 विक्रांत सागर और मुनिश्री 108 संकल्प सागर की सान्निध्यता में शांतिधारा, पाठ, भक्ति, कलश पूजन और सौभाग्यशाली पात्रों का चयन संपन्न हुआ। इस अवसर पर सैकड़ों श्रद्धालु उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन प्रतिष्ठाचार्य बापू डॉ. शोभित भैया मड़ावता ने किया।

कोलार में भव्य शोभायात्रा- प्रातः 6 बजे मंदाकिनी जैन मंदिर से प्रारंभ होकर सीआई स्क्वायर, अवध मार्ग होते हुए शोभायात्रा दानिश कुंज जैन मंदिर तक पहुंची। शोभायात्रा में गाजे-बाजे, बग्घियों, जैन ध्वज, बैनरों और विभिन्न मंदिरों के प्रतिनिधियों की मौजूदगी रही।

सड़कों पर हर घर से लोग बाहर निकले और शोभायात्रा में सम्मिलित हुए। यह आयोजन गणाचार्य श्री विराग सागर की शिष्या पट्टाचार्य पूज्य श्री विशुद्ध सागर महाराज की प्रेरणा से संपन्न हुआ।

भक्ति और उल्लास का अद्भुत संगम

7 दिन के विश्राम के बाद रथ यात्रा गुंडिचा मंदिर से इस्कॉन मंदिर पहुंची

उज्जैन। महाकाल की नगरी उज्जैन में शनिवार को भक्ति और उल्लास का अद्भुत संगम देखने को मिला। 27 जून को इस्कॉन मंदिर से निकली भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा, 7 दिन के विश्राम के बाद गुंडिचा मंदिर (कालिदास अकादमी परिसर) से पुनः लौटते हुए इस्कॉन मंदिर पहुंची।

मध्यप्रदेश में मोहर्रम, या हुसैन-या हुसैन से गूंजे जुलूस

भोपाल। मध्यप्रदेश में आज रविवार को मोहर्रम का मातमी जुलूस निकाला जा रहा है। इमामबाड़ों में मुस्लिम धर्मावलंबी जुटे हैं। हजरत इमाम हुसैन की शहादत की याद में मातम मनाया जा रहा है। इस्लामिक कैलेंडर के अनुसार साल के पहले महीने मोहर्रम की 10वीं तारीख को आशूरा मनाया जाता है। इस दिन निकलने वाले जुलूस के दौरान करबला की जंग का जिक्र किया जाता है, जहां हजरत इमाम हुसैन और उनके 72 साथियों ने अन्याय के खिलाफ लड़ते हुए शहादत दी थी।

भोपाल में फतेहगढ़ से निकला जुलूस- भोपाल में मुख्य जुलूस की शुरुआत फतेहगढ़ से हुई है। बड़ी संख्या में ताजिए, बुर्राक, सवारियां, परचम, अखाड़े और ढोल-ताशों के साथ यह वीआईपी रोड स्थित करबला मैदान तक पहुंचेगा। इसके अलावा शहर के अन्य हिस्सों से चार बड़े जुलूस निकलेंगे, जो पीरगेट क्षेत्र में आकर मिलेंगे। इनका जुलूस इमामबाड़ा, रेलवे स्टेशन, काजी कैंप, भानपुर, करोद, गांधी नगर, आरिफ नगर, छोला, नारियल खेड़ा और जेपी नगर से होता हुआ सैफिया कॉलेज चौराहे पहुंचेगा।

रायसेन में पटरी से उतरी मालगाड़ी की बोगी

ट्रैक बुरी तरह क्षतिग्रस्त, मौके पर पहुंचे रेलवे के आला अधिकारी

रायसेन। मध्य प्रदेश के रायसेन जिले में बड़ा हादसा हो गया। दीवानगंज रेलवे स्टेशन के पास मालगाड़ी की एक बोगी पटरी से उतर गई। इस घटना के बाद रेलवे प्रशासन में हड़कंप मच गया है। जबकि इस दुर्घटना की जांच के लिए एक समिति बनाई जाएगी। जानकारी के मुताबिक, मालगाड़ी चेन्नई डिविजन से अंबाला डिवीजन की ओर जा रहा ही थी। इस दौरान दीवानगंज रेलवे स्टेशन के पास मालगाड़ी का एक डब्बा पटरी से उतर गया। जिससे पटरी के स्लीपर चकनाचूर हो गए और ट्रैक बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।

घटना की जानकारी मिलते ही रेलवे के आला अधिकारी और स्टाफ मौके पर पहुंचे। फिलहाल, मरम्मत का काम शुरू कर दिया गया है। रेलवे ने इस मामले की जांच के आदेश दिए हैं. रेल हादसों की बढ़ती घटनाओं पर एक बार फिर सवाल उठने लगे हैं।